हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 47 ● भिलाई, शनिवार 05 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

जालंधर के सुदामा विहार में व्यक्ति की मौत, पुलिस ने जांच शुरू की

जालंधर। पंजाब में जालंधर के मोहल्ला सुदामा विहार में थाना डिवीजन नंबर सात के अंतर्गत एक व्यक्ति की संदिग्ध आत्महत्या का मामला सामने आया है। सहायक पुलिस आयुक्त मॉडल टाउन मनमोहन सिंह ने गुरुवार को बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम के माध्यम से घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर सात के प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक के भतीजे ने पुलिस को बताया कि मृतक घर में अकेला रहता था। उसकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका था और वह मजदूरी करता था। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

पलामू में विधायक आवास के पास युवक की गोली मारकर हत्या

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में देर रात बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान ओमप्रकाश सिंह उर्फ छोटू सिंह के रूप में हुई है। वारदात पुरंदर बीघा गांव के पास जपला-दंगवार मुख्य सड़क पर विधायक संजय कुमार सिंह यादव के आवास के पास हुई। जानकारी के अनुसार, ओमप्रकाश सिंह अपनी स्कॉर्पियो रोककर किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने उनकी कनपटी में गोली मार दी। उन्होंने भागने की कोशिश की लेकिन हमलावरों ने उन पर कई गोलियां बरसाईं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, ओमप्रकाश सिंह का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। हुसैनाबाद थाने में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और शराब तस्करी सहित करीब आठ मामले दर्ज थे। वह कुछ महीने पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था। पुलिस हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और आपसी दुश्मनी समेत अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है।

दुनिया ने कभी नहीं देखा ऐसा रेस्क्यू...

नेपाल में सुरंग से 2 मजदूरों के जिंदा निकलने पर बोले एक्सपर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

नेपाल में त्रिशूली-3ए जलविद्युत प्रोजेक्ट की सुरंग में नौ दिन तक फंसे रहने के बाद शुक्रवार को बचाए गए एक व्यक्ति ने बताया कि इस दौरान वह लगातार 'हरे कृष्ण' मंत्र का जाप करता रहा और सुरक्षित बाहर निकाले जाने की उम्मीद करता रहा। संयोग से, उन्हें कृष्ण जन्माष्टमी के दिन बचाया गया। सप्तरी जिले के निवासी संजय साह (30) मधेश प्रांत में नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कर्मचारी हैं। वह उन दो कामगारों में शामिल हैं, जिन्हें सुरंग से सुरक्षित बाहर निकाला गया। साह ने सुरक्षाकर्मियों को बताया कि सुरंग के अंदर फंसे रहने के दौरान वह पिछले नौ दिनों से 'हरे कृष्ण' मंत्र का जाप कर रहे थे। सुरक्षित बाहर निकाले जाने के बाद उन्होंने कहा, ''मैं पिछले नौ दिन से हरे कृष्ण महामंत्र का जाप कर रहा था।'' सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, संजय साह की हालत स्थिर है और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं है। उन्हें त्रिशूली के एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बचाए गए दूसरे व्यक्ति कबीर महर्जन (45) को स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण आगे के इलाज की जरूरत थी। इसलिए उन्हें हवाई मार्ग से काठमांडू के छाउनी स्थित नेपाल आर्मी अस्पताल ले जाया गया। परियोजना में फोरमैन के रूप में काम करने वाले साह ने बताया कि हादसे के बाद जब अन्य लोग वहां से निकल गए, तो वह पीछे रुक गए क्योंकि उन्हें सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी महसूस हो रही थी। साह ने बताया कि हादसा होने के समय वह नियंत्रण कक्ष में काम कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैं नियंत्रण कक्ष में

काम कर रहा था। मेरी जिम्मेदारी सभी की जान बचाना थी।'' साह ने बताया कि उन्होंने घटना के बाद सभी से भागने के लिए कहा, लेकिन जब तक बाकी लोग वहां से निकल पाए, तब तक उनके लिए भागना बहुत देर हो चुकी थी। यह पूछे जाने पर कि सुरंग के अंदर अभी कितने लोग फंसे हो सकते हैं, साह ने कहा कि उन्हें अपने आसपास तीन-चार लोगों की आवाज सुनाई दी थी या उनसे संपर्क हो पाया था। उन्होंने कहा, हम आसपास केवल तीन-चार लोगों से ही बात करके या आवाजें लगाकर संपर्क कर पा रहे थे। साह ने यह भी बताया कि सुरंग के अंदर और गहराई में, जिसमें बिजलीघर के आसपास का इलाका भी शामिल है, कुछ और लोग फंसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हो सकता है कि सभी लोग बाहर निकलने में सफल न हुए हों। सुरंग बहुत लंबी है।'' उन्होंने आशंका जताई कि बाढ़ के पानी के तेज बहाव में कुछ लोग सुरंग के और अंदर तक बह गए होंगे। नेपाल सेना के नेतृत्व में सुरक्षा बलों की एक टीम विशेष उपकरणों की मदद से खोज एवं बचाव अभियान चला रही है।दरअसल त्रिशूली-3 हाइड्रोपावर स्टेशन में कई मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। बचाव अभियान के दौरान सुरंग के अंदर से लोगों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। इसके फंसे लोगों के जिंदा होने की उम्मीद बनी थी। रेस्क्यू टीम ने अंदर फंसे लोगों से कहा, घबराएं नहीं, हम आपको बचाने आए हैं। इसके जवाब में अंदर से आवाज सुनाई दी।

फ्लैश फ्लड में 12 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स से जुड़े 900 से ज्यादा कर्मचारी लापता

बता दें कि 26 अगस्त को आई विनाशकारी फ्लैश फ्लड ने त्रिशूली नदी के पूरे कॉरिडोर में भारी तबाही मचाई थी। इस हादसे में 1,252 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 6 हजार से अधिक लोग लापता हैं। इनमें से 12 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स से जुड़े 900 से ज्यादा कर्मचारी लापता हैं। इनमें से सैकड़ों के सुरंगों और जमीन के नीचे बने हिस्सों में फंसे होने की आशंका है। मुश्किल हालात के बीच रेस्क्यू टीमें लगातार सुरंगों और क्षतिग्रस्त ढांचों में फंसे दूसरे लोगों की तलाश कर रही हैं। रसुवा और नुवाकोट में बाढ़ से प्रभावित हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में लापता करीब 500 कर्मचारियों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका जताई गई है। बाढ़ शुरू होने के वक्त कुछ कर्मचारियों ने मदद के लिए आवाज लगाई थी।

पेंगुइन से विवाद के बाद

हार्परकॉलिन्स छापेगी सांसद सोनिया गांधी की किताब....

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब को लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा है।पहले इस किताब को पेंगुइन रैंडम हाउस की ओर से प्रकाशित किया जाना था, लेकिन अब यह हार्परकॉलिन्स इंडिया प्रकाशित करेगी। सोनिया गांधी द्वारा लिखी गई संस्मरण किताब का नाम 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफलव' है। हार्परकॉलिन्स ने शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 को इस किताब को पब्लुश करने का ऐलान किया है। सबसे खास बात यह है कि किताब के आने की तारीख में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सोनिया गांधी की किताब

'बिलॉन्गिंग' अब 10 नवंबर 2026 को पाठकों के बीच आएगी। यानी केवल पब्लिशर बदला है, लेकिन किताब की रिलीज डेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सोनिया गांधी की किताब को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रकाशन जगत में काफी चर्चा थी।

बीजेपी नेता नरोत्तम मिश्रा ने नई दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की।

बर्थ टूरिज्म बैन करने वाला आदेश रोका

सरकार नागरिकता नहीं छीन सकती....

नई दिल्ली। अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों की नागरिकता को लेकर डोनाल्ड ट्रंप को फिर झटका लगा है. अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बर्थराइट सिटिजनशिप यानी अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को नागरिकता देने के नियम को सीमित करने वाले नए आदेश को बड़ा झटका लगा है. मैरीलैंड की फेडरल कोर्ट ने बुधवार को आदेश पर अस्थायी रोक लगाते हुए कहा कि यह संविधान में मिले जन्मसिद्ध नागरिकता के अधिकार के खिलाफ हो सकता है. इसमें कुछ

खास मामलों में अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों की जन्मसिद्ध नागरिकता रोकने की बात कही गई थी. इस मामले में कोर्ट ने ट्रंप की एक नहीं सुनी और आदेश पर रोक लगा दी.

छत्तीसगढ़ से अलग बस्तर राज्य की मांग

सीएम साय बोले- मांग करने वाले विकास विरोधी पार्टी....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ से अलग बस्तर राज्य बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में नक्सलवाद के खात्मे का असंभव काम संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने बस्तर को अलग राज्य बनाने की मांग करने वालों को विकास विरोधी बताया। इसके अलावा उन्होंने अपने दिल्ली दौरे समेत अन्य मुद्दों पर बयान दिया। दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने दो दिवसीय दिल्ली दौरे के बाद आज राजधानी रायपुर लौटे। इस दौरान उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय की

बैठक में हिस्सा लिया और केंद्रीय नेताओं से मुलाकात की। जन्माष्टमी के अवसर पर रायपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने बाजे-गाजे और गुलदस्ते के साथ उनका स्वागत किया। वहीं पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री साय ने जल शक्ति मंत्रालय की बैठक को लेकर कहा कि 'जल संचय जन भागीदारी अभियान' में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के 5 जिले देश के टॉप-10 जिलों में शामिल हैं। सीएम साय ने कहा कि बारिश की हर बूंद को सहेजकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करना सरकार का लक्ष्य है। बैठक में दिए गए सुझावों को लेकर सीएम साय ने कहा कि हर राज्य को अपनी परिस्थितियों के अनुसार 'कैच द रेन प्लान' तैयार करना चाहिए। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के लिए 'स्टेट वाटर अवार्ड्स' शुरू करने का सुझाव भी दिया।

अभिषेक बनर्जी के ऑफिस में तोड़फोड़ मामले में 6 गिरफ्तार

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ के मामले में कोलकाता पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उनके पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की है। उन्होंने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो जारी कर पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ का आरोप लगाया और इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया था कि तोड़फोड़ गुरुवार सुबह करीब 4 बजे हुई और आरोपियों ने कार्यालय के कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की।

राम मंदिर के सीईओ ने भक्तों से मांगा समर्थन

अब जल्द ही जमीन पर दिखेगी रणनीति-सीईओ जीतेंद्र मिश्रा..

अयोध्या/ एजेंसी

राम मंदिर के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एयर मार्शल (सेवानिवृत्त)जीतेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को भगवान राम के भक्तों से समर्थन और आशीर्वाद मांगा तथा कहा कि ट्रस्ट की रणनीति का परिणाम जल्द ही जमीन पर दिखने लगेगा। मिश्रा ने यहां ट्रस्ट सदस्यों की बैठक के बाद 'पीटीआई वीडियो' से कहा, हमारी अपील है कि आपका विश्वास और आशीर्वाद हमारे साथ बना रहे। राम भक्तों का आशीर्वाद हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आपके आशीर्वाद और विश्वास से हम आगे बढ़ेंगे। मुझे कुछ समय

दें। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा बुधवार को मंदिर के पहले सीईओ नियुक्त किए गए मिश्रा ने कहा कि वह वर्तमान में पूरी प्रणाली को समझने की कोशिश कर रहे हैं और ट्रस्ट के सदस्यों से मिलने और राम मंदिर का दौरा करने के बाद उन्होंने अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, परिणाम कुछ ही दिनों में दिखने लगेंगे। सीईओ ने कहा कि बैठक में चर्चा विभिन्न हितधारकों के साथ काम करने और ट्रस्ट के काम को आगे बढ़ाने के तरीकों पर केंद्रित रही।उन्होंने कहा, जो भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे उन्हें मीडिया के सामने भी लाया जाएगा। जिम्मेदारी सौंपे जाने के लिए भगवान राम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मिश्रा ने कहा, भगवान श्री राम ने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी देकर मुझ पर अपनी कृपा बरसाई है। इससे अधिक कोई और क्या मांग सकता है?

दुर्ग जिले से शारदा और नंदा देशमुख सम्मानित, राज्यपाल के कर-कमलों से प्राप्त हुआ गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड का सम्मान

छत्तीसगढ़ की वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम का विश्व रिकॉर्ड, 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार

दुर्ग/ब्यूरो। रायपुर/दुर्ग। शिक्षा के क्षेत्र में समावेशिता, नवाचार और तकनीक के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए छत्तीसगढ़ की वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। टीम द्वारा 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार किए जाने के कार्य को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। इसका प्रमाण-पत्र एवं सम्मान 3 सितंबर 2026 को लोकभवन, रायपुर में राज्यपाल श्री रमेन डेका के कर-कमलों से प्रदान किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सोनल राजेश शर्मा, सीजी हेड, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स सहित टीम के सदस्य उपस्थित रहे। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में दुर्ग जिले की शिक्षिका सुश्री के. शारदा एवं श्रीमती नंदा देशमुख की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

5 अक्टूबर 2024 से शुरू हुआ था अभियान- इस प्रेरणादायी अभियान की शुरुआत राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका सुश्री के. शारदा के नेतृत्व में 5 अक्टूबर 2024 को की गई थी। उन्होंने स्वयं 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स का निर्माण किया। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के करीब 30 समर्पित शिक्षक-शिक्षिकाएं इस अभियान से जुड़े हैं। ये शिक्षक अपने नियमित शैक्षणिक दायित्वों के साथ-साथ शाला समय के बाद विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण ऑडियो शैक्षणिक सामग्री तैयार कर रहे हैं।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए बना ज्ञान का सशक्त माध्यम- वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम का यह प्रयास विशेष रूप से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ऑडियो बुक्स के माध्यम से विद्यार्थी पाठ्य सामग्री को आसानी से सुनकर समझ सकते हैं। वहीं सामान्य विद्यार्थी भी सुनकर सीखने की आधुनिक पद्धति का लाभ उठा रहे हैं।

यह पहल शिक्षा को समावेशी, सुलभ और तकनीक-सम्मत बनाने के साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

दुर्ग की शिक्षिका नंदा देशमुख की भी सहभागिता- इस उपलब्धि में दुर्ग जिले की श्रीमती नंदा देशमुख, शिक्षिका, शासकीय प्राथमिक शाला सिरसा खुर्द की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही है। उन्होंने एनसीईआरटी कक्षा 10वीं की ऑडियो सामग्री निर्माण में योगदान दिया है।

107 से अधिक प्लेलिस्ट, 8 लाख से ज्यादा बार देखा गया चैनल- वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल पर वर्तमान में 107 से अधिक प्लेलिस्ट उपलब्ध हैं और ऑडियो शैक्षणिक सामग्री को 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। टीम का प्रयास है कि गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री विद्यार्थियों को कहीं भी और कभी भी उपलब्ध हो सके।

जल्द पूरा होगा 11 हजार ऑडियो बुक्स का लक्ष्य- सुश्री के. शारदा ने बताया कि टीम का मूल उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री पहुंचाना है, ताकि किसी भी बच्चे की शिक्षा उसकी शारीरिक अथवा अन्य सीमाओं के कारण बाधित न हो। उन्होंने कहा कि टीम जल्द ही 11 हजार ऑडियो बुक्स के निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण कर लेगी।

शिक्षा जगत में इस उपलब्धि की व्यापक सराहना हो रही है। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों ने वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम के इस प्रयास को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी पहल बताया है।

CMYK

जल संरक्षण में बालोद की बड़ी उपलब्धि, देश के टॉप-10 जिलों में शामिल

2.87 लाख जल संरचनाओं का निर्माण, भूजल स्तर में करीब 6 मीटर तक सुधार; जनभागीदारी को कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बताया सबसे बड़ी ताकत

बालोद। जल संरक्षण, जल गुणवत्ता सुधार और पानी की बचत को लेकर बालोद जिले में पिछले दो वर्षों से चलाए जा रहे अभियान ने अब राष्ट्रीय स्तर पर जिले को नई पहचान दिलाई है। जिले में जल संरक्षण के लिए किए गए व्यापक कार्यों के चलते बालोद को देश के टॉप-10 जिलों में स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने इसे पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बताते हुए इसका श्रेय जिलेवासियों की जनभागीदारी और प्रशासन की विभिन्न विभागीय टीमों के सामूहिक प्रयासों को दिया है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पिछले दो वर्षों से लगातार वॉटर कंजर्वेशन, वॉटर क्वालिटी और वॉटर सेविंग पर विशेष फोकस किया जा रहा है। पिछले वर्ष जिले में करीब 1 लाख 6 हजार जल संरचनाओं का निर्माण कराया गया था। इन संरचनाओं के परिणामस्वरूप भूजल स्तर में लगभग एक मीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस सफलता से उत्साहित होकर इस वर्ष जल संरक्षण के कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया गया।

एक साल में 2.87 लाख जल संरचनाएं

कलेक्टर ने बताया कि इस वर्ष जिले में करीब 2 लाख 87 हजार जल संरचनाओं का निर्माण किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के माध्यम से पूरे जिले में जल संरक्षण के कार्य कराए गए। इन प्रयासों के चलते बालोद को देश के टॉप-10 जिलों में शामिल होने का गौरव मिला है। प्रशासन के अनुसार इन जल संरचनाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में बारिश के पानी को सहेजने और भूजल रिचार्ज करने का काम किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान के तहत करीब 19 लाख करोड़ लीटर पानी के संरक्षण का आकलन किया गया है। वहीं जिले के भूजल स्तर में करीब 6 मीटर तक सुधार दर्ज किया गया है।

गुरूर क्षेत्र भी रेड जोन से बाहर

जल संरक्षण के प्रयासों का असर जिले के भूजल स्तर की स्थिति पर भी दिखाई दे रहा है। कलेक्टर ने बताया कि गुरूर क्षेत्र लंबे समय से रेड जोन में शामिल था, लेकिन लगातार किए गए जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के कार्यों के परिणामस्वरूप अब यह क्षेत्र रेड जोन से निकलकर क्रिटिकल जोन से भी बाहर आ गया है। प्रशासन इसे अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल कर रहा है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि जल संरक्षण कोई एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि जिले के आम लोगों ने इसे अपना अभियान माना। लोगों में पानी बचाने और जल संरचनाओं के संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बालोद का नाम आना निश्चित रूप से जिले के लिए गर्व की बात है, लेकिन इससे भी बड़ी उपलब्धि यह है कि जन-जन इस अभियान से जुड़ा है। जल संरक्षण के लिए लोगों की बढ़ती जागरूकता और भागीदारी को उन्होंने अभियान की सबसे बड़ी सफलता बताया।

जल संरक्षण के साथ फसल विविधीकरण पर भी जोर

जिले में पानी की बचत के लिए जल संरक्षण अभियान को क्रॉप डायवर्सिफिकेशन से भी जोड़ा गया। इसके तहत करीब 6 हजार हेक्टेयर भूमि में धान के बजाय अन्य फसलों और कैश क्रॉप्स को बढ़ावा दिया गया। इसका उद्देश्य भूजल पर दबाव कम करने के साथ किसानों को कम पानी में अधिक लाभ देने वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करना है।

मिशन अंकुर से 3 लाख से अधिक सीड बॉल

जल संरक्षण के साथ पर्यावरण संवर्धन को भी अभियान का हिस्सा बनाया गया। जिले में करीब डेढ़ लाख से अधिक ट्रेंच तैयार किए गए। इन ट्रेंच में आम, कटहल, अर्जुन सहित विभिन्न प्रजातियों के बीजों से तैयार 3 लाख से अधिक सीड बॉल डाले गए। यह कार्य 'मिशन अंकुर' के तहत किया गया। गर्मी के दौरान उपलब्ध विभिन्न प्रजातियों के बीजों को सीड बॉल के रूप में तैयार कर ट्रेंच में रोपा गया, ताकि बारिश के दौरान इनके अंकुरण की संभावना बढ़े और आने वाले समय में हरित क्षेत्र का विस्तार हो सके।

मिशन ओला से बूंद-बूंद पानी की बचत

पौधरोपण के बाद पौधों की सिंचाई में पानी की बर्बादी रोकने के लिए जिले में 'मिशन ओला' भी चलाया गया। इसके तहत पौधों के पास घड़े लगाए गए, जिनसे पानी धीरे-धीरे बूंद-बूंद पौधों की जड़ों तक पहुंचता है। इससे नियमित सिंचाई की तुलना में पानी की बर्बादी कम करने और पौधों को लंबे समय तक नमी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

डिफंक्ट बोरवेल को बनाया इंजेक्शन वेल

जल गुणवत्ता और भूजल रिचार्ज को लेकर भी प्रशासन ने विशेष पहल की। जिले में अनुपयोगी और डिफंक्ट बोरवेल को चिन्हांकित कर उन्हें इंजेक्शन वेल सहित अन्य जल संरक्षण संरचनाओं में परिवर्तित किया गया। इसके माध्यम से बारिश के पानी को जमीन के भीतर पहुंचाने और भूजल स्तर को बढ़ाने की दिशा में काम किया गया।कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बालोद के देश के टॉप-10 जिलों में शामिल होने को जिले के लिए गर्व का विषय बताया।

कबीरधाम में 86,477 ग्रामीण परिवारों के पक्के घर का सपना हुआ साकार

कवर्धा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन से कबीरधाम जिले में हजारों ग्रामीण परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास मिला है। वर्ष 2016 से 2026 तक जिले को कुल 1,00,091 आवासों का लक्ष्य मिला, जिसके विरुद्ध 99,790 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 86,477 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। यानी स्वीकृत आवासों में करीब 87 प्रतिशत आवास पूरे हो चुके हैं, जबकि राज्य का औसत करीब 84 प्रतिशत है। वर्ष 2016 से 2023 के दौरान मिले 48,656 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध सभी आवास स्वीकृत किए गए और 47,164 आवास पूर्ण हुए। वहीं वर्ष 2024 से 2026 के दौरान 51,435 आवासों के लक्ष्य में से 51,134 आवास स्वीकृत हुए तथा 39,313 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। आवास निर्माण में तेजी लाने के लिए जिला स्तर पर नियमित समीक्षा, जनपद पंचायतवार निगरानी और ग्राम पंचायत स्तर पर हितग्राहियों से संपर्क किया जा रहा है। सचिव, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक और आवास मित्र हितग्राहियों को निर्माण के विभिन्न चरणों में मार्गदर्शन दे रहे हैं। योजना का लाभ केवल पक्का मकान उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। आवास निर्माण से जुड़े हितग्राहियों को 90 दिनों के रोजगार का अवसर भी मिल रहा है। इसके अलावा शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, नल-जल, बिजली, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ने जैसी सुविधाओं का लाभ भी अभिसरण के माध्यम से दिया जा रहा है। पक्का आवास मिलने से बारिश, गर्मी और अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों में असुरक्षित कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को राहत मिली है। योजना ने ग्रामीण परिवारों के लिए सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व के साथ बेहतर भविष्य की नींव मजबूत की है।

रिलीविंग हुई, ज्वाइनिंग नहीं; कबीरधाम स्वास्थ्य विभाग में शासन के अटैचमेंट आदेश की अनदेखी

कवर्धा। स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से चली आ रही अटैचमेंट व्यवस्था को समाप्त करने के शासन के निर्देश के बाद विभागीय स्तर पर रिलीविंग की कार्रवाई तो की गई, लेकिन इसके बाद कर्मचारियों की वास्तविक ज्वाइनिंग को लेकर स्थिति अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शासन के आदेश के अनुपालन में अटैच कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थापना स्थल के लिए रिलीव किए जाने की जानकारी है, लेकिन कितने कर्मचारी वास्तव में अपने मूल स्थान पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं, इसका स्पष्ट रिकॉर्ड सामने नहीं आने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अटैचमेंट व्यवस्था मूल रूप से प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर अस्थायी व्यवस्था के रूप में अपनाई जाती है। स्वास्थ्य विभाग में इसका महत्व इसलिए और बढ़ जाता है, क्योंकि किसी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में स्वीकृत पद के अनुरूप कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने पर इसका सीधा असर मरीजों को मिलने वाली सेवाओं पर पड़ सकता है। ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में स्थित स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की नियमित उपलब्धता स्वास्थ्य व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है। शासन के निर्देश के बाद अटैचमेंट समाप्त करने के लिए कर्मचारियों को रिलीव करना पहला चरण था। इसके बाद संबंधित कर्मचारी अपने मूल पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करें, इसकी निगरानी और सत्यापन भी विभागीय जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि रिलीविंग के बाद भी कर्मचारी निर्धारित स्थान पर ज्वाइन नहीं करते हैं तो विभाग को इसके कारणों की जानकारी लेकर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल रिलीविंग के बाद की स्थिति को लेकर है। विभाग ने कितने कर्मचारियों को रिलीव किया, कितनों ने मूल पदस्थापना पर ज्वाइन किया, कितनों की ज्वाइनिंग लंबित है और वर्तमान में कौन कर्मचारी किस स्थान पर सेवाएं दे रहा है, इसकी कर्मचारीवार जानकारी सामने आने पर पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकती है। यदि सभी रिलीव किए गए कर्मचारियों ने अपने मूल स्थान पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है तो विभाग के पास उनकी ज्वाइनिंग रिपोर्ट और उपस्थिति का रिकॉर्ड उपलब्ध होना चाहिए। वहीं यदि किसी कर्मचारी को प्रशासनिक आवश्यकता के चलते अन्य स्थान पर सेवाएं जारी रखने की अनुमति दी गई है तो उसके पीछे सक्षम अधिकारी का लिखित आदेश और स्पष्ट कारण भी होना जरूरी है। इससे शासन के निर्देशों के पालन को लेकर किसी तरह का भ्रम नहीं रहेगा। सक्षम अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल रिलीविंग आदेश जारी करने तक सीमित नहीं हो सकती। आदेश के बाद कर्मचारी ने कहां ज्वाइन किया, उसकी उपस्थिति कहां दर्ज हो रही है और मूल पदस्थापना वाले संस्थान में उसकी सेवाएं वास्तव में शुरू हुईं या नहीं, इसका सत्यापन भी जरूरी है। यदि किसी स्तर पर ज्वाइनिंग नहीं हुई है तो इसकी जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग में अटैचमेंट की स्थिति का सबसे बड़ा प्रभाव उन संस्थानों पर पड़ सकता है जहां पहले से ही कर्मचारियों की कमी रहती है। यदि किसी ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के लिए स्वीकृत कर्मचारी लंबे समय तक अन्यत्र सेवाएं देता रहा तो संबंधित क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की संभावना रहती है। इसलिए अटैचमेंट खत्म करने का उद्देश्य केवल कागजी कार्रवाई पूरी करना नहीं, बल्कि जरूरत वाले स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की वास्तविक उपलब्धता सुनिश्चित करना होना चाहिए। शासन के आदेशों के अनुपालन में पारदर्शिता के लिए विभाग को कर्मचारीवार रिलीविंग और ज्वाइनिंग की स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। मूल पदस्थापना, रिलीविंग की तारीख, ज्वाइनिंग की तारीख और वर्तमान कार्यस्थल का मिलान किया जाना चाहिए। इससे यह भी पता चलेगा कि अटैचमेंट समाप्त करने की कार्रवाई वास्तव में जमीन पर कितनी प्रभावी हुई है। कागजों में अटैचमेंट खत्म होना और धरातल पर व्यवस्था बदलना दो अलग-अलग बातें हैं। शासनादेश का वास्तविक पालन तभी माना जाएगा जब कर्मचारी अपने मूल पदस्थापना स्थल पर पहुंचकर नियमित रूप से सेवाएं देंगे और संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में उनकी उपस्थिति दिखाई देगी।

अब विभागीय प्रशासन के सामने चुनौती यही है कि वह रिलीविंग के बाद की स्थिति को स्पष्ट करे और जहां ज्वाइनिंग नहीं हुई है, वहां कारणों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करे। शासन के आदेशों की प्रभावशीलता का आकलन फाइलों में दर्ज आदेशों से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की वास्तविक मौजूदगी से होना चाहिए। रिलीविंग के बाद ज्वाइनिंग की स्थिति स्पष्ट करना अब विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इससे न केवल शासन के निर्देशों के पालन की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि जिन स्वास्थ्य संस्थानों के लिए कर्मचारी स्वीकृत हैं, वहां उनका लाभ सीधे मरीजों और ग्रामीणों को मिल सके।

कोटा में हुआ राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

कोटा। कोटा नगर में राष्ट्रीय विराट कुश्ती दंगल का आयोजन स्वर्गीय भगवान सिंह पवार की स्मृति में दो दिवसीय प्रतियोगिता कराया गया जिसमें हरियाणा पंजाब दिल्ली राजस्थान उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश के चयनित पहलवान अपना दमखम दिखाकर पुरस्कार प्राप्त किया इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि सम्माननीय विधायक अटल श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष था सरोज साहू एवं रामलाल साहू एमएल साहू आदित्य दीक्षित प्रकाश जायसवाल सुरेश चौहान अंजना चौक से बदरुद्दीन खत्री विष्णु अग्रवाल वेंकट अग्रवाल नगर के सम्माननीय नागरिक नागरिक इसका कार्यक्रम का आनंद उठाएं छत्तीसगढ़ के झोली में कुमार एवं अभिमन्यु का पदक प्राप्त हुआ ।

यातायात बेमेतरा पुलिस टीम ने सड़क पर बैठे एवं विचरण करने वाले गौवंशों के गले में बांधी रेडियम पट्टी

बेमेतरा । समस्त थाना/चौकी व यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, आम नागरिकों तथा गौवंशों की सुरक्षा के लिए एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात प्रभारी बेमेतरा रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो सहित यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा सड़क पर बैठे एवं विचरण करने वाले गौवंशों के गले में रेडियम पट्टी बांधी गई। रेडियम पट्टी पर वाहन की हेडलाइट पड़ते ही वह चमकती है, जिससे रात के समय वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद गौवंश दूर से दिखाई देंगे। इससे वाहन चालक समय रहते अपनी गति नियंत्रित कर सकेंगे तथा संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। बेमेतरा पुलिस की यह पहल गौवंश एवं आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। पुलिस द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि हाईवे अथवा सड़क पर गौवंशों को विचरण करते या बैठे हुए देखने पर सुरक्षित तरीके से उन्हें सड़क के किनारे पहुंचाने में सहयोग करें। बेमेतरा पुलिस ने कहा कि गौवंश एवं आमजन की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस के इस अभियान में सहयोग कर क्षेत्रवासी सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाएं, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

कृष्ण मंदिर में कृष्ण जन्म उत्सव का होगा आयोजन

बेमेतरा । बेमेतरा जिला के प्रसिद्ध और प्राचीन श्री राधा कृष्ण मंदिर बेमेतरा में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत महोत्सव 4 सितंबर दिन शुक्रवार को मध्य रात्रि के समय भगवान बालकृष्ण प्रगट होंगे और बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथजन्मोत्सव मनाया जाएगा श्री राधा कृष्ण मंदिर के संत गणेश्वर शास्त्री महाराज ने बताया की 10 दिन पहले से ही जन्माष्टमी की तैयारी प्रारंभ है शुक्रवार को भगवान का जन्मोत्सव मध्य रात्रि के समय ठीक 12 बजे मनाया जाएगा प्रातः काल से ही भगवान के दिव्य दर्शन करने के लिए भक्तजन आते हैं भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया जाता है तत्पश्चात् श्रृंगार होता है भगवान को पंचामृत और पंजरी का भोग लगाया जाता है तत्पश्चात महाआरती होती है शास्त्री ने बताया कि भगवान के जन्म होने पर जीव को सब कुछ त्याग करके भगवान के दर्शन के लिए मंदिर में पहुंचना चाहिए क्योंकि दर्शन करने से कोटी जन्म का पाप नष्ट हो जाता है इसलिए भगवान बालकृष्ण का दर्शन करना चाहिए जन्माष्टमी को धूमधाम से मनाना चाहिए भगवान को झूला झूलना चाहिए सनातन संस्कृति का महा महोत्सव है कृष्ण जन्माष्टमी के दिन व्रत करना चाहिए और जब भगवान का जन्म हो जाए तब भगवान को भोग लगा करके पारण करना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान श्री कृष्ण को केवल प्रणाम कर लेने से जीव को अश्वमेध यज्ञ वाजपेई यज्ञ अनेक यज्ञों का फल तो मिलता है, साथ ही मोक्ष को भी प्रदान करने वाली है, इसलिए भगवान का दर्शन करें प्रणाम करें, प्रसाद पंचामृत पंजीरी को ग्रहण करें, इससे जीवन में सुख और समृद्धि वैभव भगवान की कृपा आप सभी को प्राप्त होगी।

जन्माष्टमी पर मठ-मंदिरों के लिए धर्म स्तंभ काउंसिल की एडवाइजरी जारी

धर्मसम्मत तरीके से हों आयोजन, दही-हांडी लूट में सनातन परंपरा और मंदिर की मर्यादा का रखें ध्यान

बेमेतरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन को लेकर धर्म स्तंभ काउंसिल ने प्रदेश के मठ-मंदिरों, मंदिर समितियों और श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी की है, काउंसिल ने जन्माष्टमी के धार्मिक आयोजनों को सनातन परंपरा एवं धर्मसम्मत विधि से संपन्न कराने तथा दही-हांडी लूट जैसे आयोजनों में मंदिर की मर्यादा और धार्मिक स्वरूप बनाए रखने की बात कही है। काउंसिल की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि जन्माष्टमी के अवसर पर मठ-मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना, जन्मोत्सव, भजन-कीर्तन, संकीर्तन और झांकी सहित धार्मिक कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाए,दही-हांडी लूट का आयोजन भी श्रीकृष्ण की बाल लीला और सनातन परंपरा के अनुरूप किया जाए। काउंसिल ने आयोजकों से मंदिर परिसर में धार्मिक अनुशासन और पवित्रता बनाए रखने तथा ऐसे कार्यक्रमों से बचने की अपील की है, जिनसे धार्मिक भावनाएं आहत हों। साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुविधा तथा आयोजन स्थल पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था रखने की बात कही गई है। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि जन्माष्टमी के आयोजनों में आधुनिकता के नाम पर पर्व के मूल धार्मिक स्वरूप से समझौता नहीं होना चाहिए, उन्होंने कहा, जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का पर्व है, इसलिए उत्सव का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें भक्ति, परंपरा और धार्मिक मर्यादा तीनों का समन्वय दिखाई दे, दही-हांडी लूट भी श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ी परंपरा है, इसे उसी भाव के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश के मठ-मंदिरों और मंदिर समितियों से एडवाइजरी का पालन करते हुए स्थानीय परंपराओं के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। महंत सुरेंद्र दास, राम जानकी मंदिर ने कहा, मठ-मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं, बल्कि सनातन संस्कारों और परंपराओं के संरक्षण के केंद्र हैं, जन्माष्टमी के अवसर पर होने वाले प्रत्येक आयोजन में इसकी झलक दिखाई देनी चाहिए,दही-हांडी का आयोजन भी धार्मिक भावना और मर्यादा के साथ हो, यही हमारी परंपरा है।

बेमेतरा नगर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार, सामान्य सभा में 13 विषय पर चर्चा कर लिया गया निर्णय

बेमेतरा। नगर पालिका परिषद बेमेतरा की सामान्य सभा की महत्वपूर्ण बैठक नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बेमेतरा नगर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार देते हुए सामान्य सभा में 13 विषय पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। बैठक में लिए गए निर्णय के मुताबिक सभी वार्डों में सड़क एवं नाली निर्माण के लिए प्रत्येक पार्षद को 25 लाख तक के विकास कार्यों का अवसर मिलेगा, बाजार क्षेत्र में गुमटी निर्माण कराया जाएगा। टाउन हॉल का नामकरण पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर किया जाएगा। सिगौरी स्थित ऑडिटोरियम का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया जाएगा। माहेश्वरी भवन के सामने स्थित चौक का नाम डॉ. बीरेंद्र दानी के नाम पर किए जाने का निर्णय लिया गया। डॉ. दानी जनसंघ से जुड़े रहे तथा मीसा बंदी रहे हैं। 100 से अधिक आवास एवं दुकानों के नामांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। नगर के विकास कार्यों के लिए अब तक ?33 करोड़ से अधिक की राशि नगरीय प्रशासन विभाग से स्वीकृत हो चुकी है। इन विकास कार्यों से बेमेतरा शहर में सड़क, नाली, बाजार एवं नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। इस संबंध में और जानकारी देते हुए बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया। बेमेतरा शहर के विकास एवं कायाकल्प के लिए सहयोग और स्वीकृति प्रदान करने हेतु उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं बेमेतरा विधायक दीपेश साहू का हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया है इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा पार्षद नीतू कोठारी सभापति गौरव साहू सभापति विकाश तमबोली सभापति पंचू साहू आकिब राजकुमार खांडे मलकानी सिमरन ताम्रकर सजनी यादव रश्मि मिश्रा लकी साहू रीता पांडेय राजू साहू चाँदनी रोशन दत्ता शिव पाटिल योतेश्वर साहू टंडन एल्डरमेन राकेश मोहन शर्मा सावित्री रजक कमलेश वर्मा तारण राजपूत नंदू राठी सांसद प्रतिनिधि अनिल माहेश्वरी विधायक प्रतिनिधि योगेश वर्मा नगर पालिका मुख्य अधिकारी नरेश वर्मा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने विभिन्न प्रकोष्ठों में की नियुक्तियां, चुन्नीलाल साहू बने संकुल संयोजक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की दिशा में विभिन्न प्रकोष्ठों में नई नियुक्तियां की हैं। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से पार्टी ने विभिन्न प्रकोष्ठों के लिए संयोजक, सहसंयोजक और प्रभारियों की घोषणा की है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय प्रभारी डॉ. नवीन मार्कण्डेय की ओर से जारी आदेश के अनुसार चुन्नीलाल साहू को प्रकोष्ठ संकुल संयोजक तथा लाभचंद बाफना को प्रकोष्ठ संकुल सहसंयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी संगठन की ओर से जारी इन नियुक्तियों को आगामी समय में प्रकोष्ठों की गतिविधियों को गति देने और संगठनात्मक कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा नेतृत्व ने विभिन्न प्रकोष्ठों को सक्रिय करते हुए उन्हें संगठन की नीतियों और सरकार की योजनाओं को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी है। नई जिम्मेदारियों के साथ पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों को जमीनी स्तर तक मजबूत करने की अपेक्षा की गई है।

करैत सांप ने 13 वर्षीय बच्चे को दो बार डसा, इलाज के दौरान मौत

रायपुर। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र के ग्राम अटंग में जहरीले सांप के डसने से 13 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि बच्चा रात में घर के अंदर बिस्तर पर सो रहा था, इसी दौरान कॉमन करैत सांप ने उसे दो बार डस लिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम अटंग निवासी गिरिराज सिंह रात में अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान बिस्तर के पास पहुंचे करैत सांप ने पहले उसके कान पर डसा। इसके बाद सांप ने उसके हाथ पर भी डस लिया। सांप के डसने के बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने मौके पर ही सांप को मार दिया। इसके बाद बिना समय गंवाए बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल धमतरी ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने तत्काल उपचार शुरू किया और बच्चे को बचाने के प्रयास किए। तमाम प्रयासों के बावजूद गिरिराज की हालत में सुधार नहीं हुआ और इलाज के दौरान उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। आवश्यक प्रक्रिया और पोस्टमार्टम के बाद बच्चे का शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद परिवार में गम का माहौल है। कॉमन करैत को अत्यधिक विषैला सांप माना जाता है और यह अक्सर रात में सक्रिय रहता है।

सीएम हेल्पलाइन बनी राम जी के लिए मददगार, खाते में पहुंची 12 हजार रुपये की राशि

रायपुर। शिकायत दर्ज की और समाधान भी मिल गया। जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर की ग्राम पंचायत सांवारावा निवासी राम जी कुशवाहा के लिए सीएम हेल्पलाइन मददगार साबित हुई। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उनके खाते में 12 हजार रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित कर दी गई। राम जी कुशवाहा ने व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि प्राप्त नहीं होने को लेकर विगत दिनों सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत सामने आते ही संबंधित विभाग ने प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की और पात्र हितग्राही को योजना का लाभ दिलाया। कलेक्टर मती रोक्तिमा यादव के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शिकायत का सकारात्मक निराकरण किया गया। अधिकारियों द्वारा शिकायत के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए 12 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में पहुंचाई गई। कलेक्टर ने विगत दिनो सभी अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों को गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश भी दिए थे। प्रकरण से यह स्पष्ट होता है कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं शासन-प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं और उनके निराकरण की प्रक्रिया भी सुनिश्चित होती है। राम कुशवाहा को शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि मिलने से उन्हें शासन की योजना का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ।

जिला अस्पताल जशपुर में गंभीर मरीजों का सफल उपचार, विशेषज्ञ सेवाओं से बची जान

रायपुर। जिला चिकित्सालय जशपुर में गंभीर एवं आपातकालीन मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। चिकित्सकों एवं नर्सिंग टीम की तत्परता, त्वरित चिकित्सकीय निर्णय और बेहतर समन्वय से हाल ही में दो गंभीर मरीजों का सफल उपचार किया गया। सेप्टिक शॉक की गंभीर स्थिति में पहुंची 10 वर्षीय बच्ची को जीवनरक्षक उपचार देकर स्वस्थ किया गया, वहीं एक्टोपिक प्रेग्नेंसी के गंभीर मामले में महिला का सफल ऑपरेशन कर संभावित जानलेवा जटिलताओं से बचाया गया।

विद्यार्थियों का कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता

रोजगार एवं भविष्य की संभावनाओं वाले विषयों को प्राथमिकता-डेका..

- निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में नैक ग्रेडिंग, पीएचडी की गुणवत्ता, पाठ्यक्रमों और सामाजिक दायित्वों की समीक्षा

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि विद्यार्थियों का कल्याण विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विश्वविद्यालय शिक्षा के पवित्र मंदिर हैं, इसलिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।3 राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों में शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को नैक में बेहतर ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों का अनुपात संतुलित होना चाहिए तथा विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। प्रत्येक विश्वविद्यालय में कम से कम 1000 विद्यार्थियों की संख्या सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने को कहा। डेका ने कहा कि पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी होनी चाहिए। पीएच.डी. के लिए होने वाले पंजीयनों की विशेषज्ञों के माध्यम से रैंडम चेकिंग कराई जाएगी, ताकि शोध कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल उपाधि प्रदान करने तक सीमित न रहकर ऐसे शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिसका समाज और देश के विकास में वास्तविक योगदान हो। राज्यपाल ने कहा कि कोई भी नया पाठ्यक्रम प्रारंभ करने से पहले विश्वविद्यालय संबंधित क्षेत्र में सर्वेक्षण कर आवश्यकता और विद्यार्थियों की रुचि का आकलन करें। जिन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या नहीं है, उन्हें बंद करने पर विचार किया जाए। अनावश्यक रूप से पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार एवं भविष्य की संभावनाओं वाले विषयों को प्राथमिकता दी जाए। श्री डेका ने एनवायरनमेंटल साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर भी विचार करने को कहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इंटीग्रेटेड कोर्स को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया। श्री डेका ने सभी निजी विश्वविद्यालयों को अपने आसपास के गांवों को गोद लेकर वहां शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नियमित कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने सामाजिक दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाना चाहिए। गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के साथ ब्रेस्ट कैंसर सर्वे जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी विश्वविद्यालय सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को प्रत्येक विद्यार्थी तक योग पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थियों को योग के लिए इस प्रकार प्रेरित किया जाए।

गांजा और शराब के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार किए...

रायपुर। अवैध मादक पदार्थों और शराब के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत तिल्दा-नेवरा पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 555 ग्राम गांजा, 86 पौवा अवैध शराब और बिक्री की नगदी बरामद की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 1 लाख 35 हजार 30 रुपए से अधिक बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज के निर्देशन में जिले में नशीले पदार्थों और अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में तिल्दा-नेवरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एफसीआई गोदाम के पास एक महिला गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके थैले से 2 किलो 555 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 25 हजार रुपए है। आरोपी महिला की पहचान राखी देवार (40), पति तूफान देवार, निवासी वार्ड क्रमांक 15, तिल्दा के रूप में हुई। पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 377/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया। दूसरी कार्रवाई में पुलिस को वार्ड क्रमांक 15 स्थित दलाल तालाब क्षेत्र में एक महिला द्वारा अवैध शराब बिक्री किए जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और चुनिया देवार (20), पति युवराज देवार, निवासी देवारपारा, तिल्दा को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 86 पौवा अवैध शराब, जिसकी कीमत करीब 9,580 रुपए, बरामद हुई। इसके अलावा शराब बिक्री से प्राप्त 450 रुपए नगद भी जब्त किए गए। इस मामले में कुल 10,030 रुपए की सामग्री जब्त की गई।

आकांक्षा स्व-सहायता समूह को मिला एक लाख रुपये का ऋण

- स्वरोजगार से मजबूत हुई महिलाओं की आर्थिक स्थिति, बच्चों की शिक्षा और घरेलू जरूरतों में भी मिल रहा लाभ

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और स्व-सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ महिला कोष से प्राप्त ऋण ने अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मेंड्राकला निवासी श्रीमती हरमनिया देवी राजवाड़े और उनके स्व-सहायता समूह को आजीविका का नया आधार दिया है। हरमनिया देवी आकांक्षा स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि समूह की महिलाओं के सामने नियमित आय का साधन विकसित करने की चुनौती थी। समूह की बैठकों में सदस्यों से चर्चा के बाद ऐसी गतिविधि शुरू करने का निर्णय लिया गया, जिससे महिलाओं को निरंतर आमदनी का अवसर मिल सके। इसी दौरान उन्हें छत्तीसगढ़ महिला कोष से ऋण प्राप्त करने की जानकारी मिली। हरमनिया देवी ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें छत्तीसगढ़ महिला कोष के माध्यम से मिलने वाले ऋण के बारे में जानकारी दी और आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद उन्होंने समूह की अन्य सदस्यों से चर्चा कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और ऋण के लिए आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद आकांक्षा स्व-सहायता समूह को एक लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास जरूरी -राज्यपाल श्री रमेन डेका

उप मुख्यमंत्री ने फोन कर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

हिमांशु देवांगन ने मेडिकल कॉलेज कवर्धा के प्रथम सत्र में लिया प्रवेश

- 50 सीटों के साथ इसी सत्र से शुरु हुआ कवर्धा मेडिकल कॉलेज

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कवर्धा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले जिले के प्रथम छात्र सहसपुर लोहारा निवासी श्री हिमांशु देवांगन से महानदी भवन नवा रायपुर से फोन पर बातचीत कर उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कवर्धा मेडिकल कॉलेज में इसी शैक्षणिक सत्र से 50 एमबीबीएस सीटों के साथ चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत हो रही है और संयोग से कॉलेज के प्रथम सत्र में प्रवेश लेने वाला छात्र कवर्धा जिले का ही निवासी है। जिले के लिए यह गौरव का विषय है कि कवर्धा में चिकित्सा शिक्षा के नए अध्याय की शुरुआत जिले के ही प्रतिभावान विद्यार्थी के प्रवेश के साथ हुई है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्र से बातचीत के दौरान उसकी स्कूली शिक्षा, नीट परीक्षा की तैयारी और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए हुई काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। हिमांशु ने बताया कि उसने कक्षा 12वीं में 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं तथा नीट परीक्षा में 512 अंक हासिल किए। नीट की तैयारी के लिए उसने भिलाई में कोचिंग भी ली। बातचीत के दौरान छात्र ने मेडिकल शिक्षा को लेकर अपनी रुचि और आगे की पढ़ाई के संबंध में भी जानकारी साझा की।

अबूझमाड़ की सुकनी बनीं मिसाल,अबूझमाड़ की सुकनी बनीं मिसाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की श्महतारी वंदन योजनाश् न केवल महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में सुदूर परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने का सशक्त जरिया भी बन रही है। नारायणपुर जिले के कठिन भौगोलिक क्षेत्र अबूझमाड़ (विकासखंड ओरछा) के ग्राम कोहकामेटा की रहने वाली श्रीमती सुकनी नुरेटी ने इस योजना का रचनात्मक उपयोग कर महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल पेश की है। सुकनी नुरेटी को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली वित्तीय सहायता ने न केवल छोटी-मोटी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उनमें बचत की सोच भी विकसित की है। उन्होंने इस राशि का उपयोग केवल दैनिक खर्चों तक सीमित न रखकर, अपनी बेटी के सुनहरे और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने में किया है। वे हर महीने मिलने वाली सहायता राशि में से बचत कर बेटी के नाम श्सुकन्या समृद्धि योजनाश् के खाते में नियमित रूप से पैसे जमा कर रही हैं। सुकनी नुरेटी का मानना है कि बेटी की उच्च शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए आज से ही योजनाबद्ध बचत बेहद जरूरी है।

मरार समाज के उत्थान के लिए समन्वित प्रयास होंगे

- योजनाओं का लाभ अंतिम किसान तक पहुंचाएं- शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेंद्र नायक

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेंद्र नायक ने कहा है कि सरकार की प्राथमिकता कृषि एवं उद्यानिकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े गरीब, पिछड़े, लघु और सीमांत किसानों तक पहुंचाना है। इसके लिए कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यही शाकम्भरी बोर्ड के गठन का मूल उद्देश्य है। नवा रायपुर स्थित उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी संचालनालय में सोमवार को आयोजित ''छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के संचालक मंडल की पहली बैठक'' को संबोधित करते हुए श्री नायक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने के लिए साझा कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र में मरार समाज का योगदान ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण रहा है, इसलिए उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है।

10 हजार 130 आवास स्वीकृत, 4770 पूर्ण और 5360 आवास निर्माणाधीन

सपनों को मिला अपना आशियाना,आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता नारायणपुर

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और सम्मान जनक आवास

रायपुर/ संवाददाता

अपने घर की छांव केवल चार दीवारें या छत नहीं होती, बल्कि यह परिवार की सुरक्षा, समाज में सम्मान और एक बेहतर भविष्य का अटूट भरोसा होती है। इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने नारायणपुर जिले के ग्रामीण परिवारों के इस चिरप्रतीक्षित सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस योजना के माध्यम से पात्र ग्रामीण परिवारों को न केवल पक्के और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि उनके जीवन में एक अभूतपूर्व स्थायित्व, आत्मसम्मान और नए आत्मविश्वास का संचार भी हो रहा है। नारायणपुर जिले में योजना के सुचारू क्रियान्वयन के तहत कुल 10 हजार 130 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 4 हजार 770 आवासों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 5 हजार 360 आवास द्रुत गति से निर्माणाधीन हैं। इस पूरे अभियान के माध्यम से जिले के कुल 10 हजार 130 ग्रामीण लाभार्थी एवं परिवार सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा आवास निर्माण की गति को बढ़ाने के साथ-साथ सभी पात्र परिवारों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ग्रामीण अंचल के परिवारों के लिए एक पक्का मकान महज रहने का स्थान नहीं होता, बल्कि यह उनके सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन की मजबूत आधारशिला होता है। वर्षों तक कच्चे,

जर्जर और असुरक्षित मकानों में मौसम की मार झेलने वाले परिवारों को जब अपना पक्का आवास मिलता है, तो उन्हें मूसलाधार बारिश, भीषण गर्मी और अन्य प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों से स्थाई सुरक्षा मिल जाती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित ये पक्के मकान ग्रामीणों की जिंदगी में एक नई स्थिरता ला रहे हैं। अपने आशियाने का सपना पूरा होते ही इन परिवारों में भविष्य को लेकर एक नया विश्वास जगा है, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है। नारायणपुर जिले में योजना की प्रभावी प्रगति के फलस्वरूप अब तक 4 हजार 770 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। इन निर्माण कार्यों के पूरा होने के साथ ही वर्षों से अपने पक्के घर की आस लगाए बैठे हजारों ग्रामीणों का सपना साकार हुआ है। ?अपने नए और पक्के घर में गृह प्रवेश करना इन परिवारों के लिए केवल एक आवास पाना भर नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन की एक नई और सुनहरी शुरुआत है। इस आशियाने के साथ ही वे सामाजिक सुरक्षा, प्रतिष्ठा और स्थायित्व का अनुभव कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, तेजी से बन रहे 5 हजार 360 निर्माणाधीन आवास भी बहुत जल्द पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे आने वाले समय में और अधिक परिवारों को सुरक्षित छत नसीब होगी। इस योजना का सकारात्मक और व्यापक प्रभाव केवल लाभार्थी परिवारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा दी है। मकान निर्माण की प्रक्रिया के दौरान स्थानीय स्तर पर राजमिस्त्रियों, मजदूरों, कारीगरों और निर्माण सामग्री के स्थानीय विक्रेताओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

संपादकीय

तीन साल से मणिपुर में हिंसा का सिलसिला, आखिर क्यों नहीं निकाल पा रही सरकार स्थायी रास्ता ?

मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। यह किसी भी राज्य सरकार के लिए एक बेहद असहज और शर्मिंदगी की स्थिति होनी चाहिए कि आखिर तीन साल से ज्यादा वक्त से वह वहां जारी हिंसा को थाम पाने में नाकाम क्यों है। मणिपुर में उग्रवादी समूहों की ओर से जिस तरह की हिंसक गतिविधियां लगातार जारी हैं, हर कुछ दिनों बाद हमले, आगजनी या हत्या की घटनाएं सामने आ जाती हैं, उससे यह साफ है कि सरकार हालात पर काबू पाने के मामले में लाचार है।हैरानी की बात यह है कि आए दिन हिंसा की तमाम घटनाएं अपनी प्रकृति में एक जैसी हैं और उससे निपटने के लिए सरकार के भीतर सिर्फ इच्छाशक्ति की जरूरत है, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से स्थिति पर काबू पाने को लेकर जरूरी संजीदगी नहीं दिखाई देती। जबकि इसका नतीजा यह है कि आए दिन वहां नाहक ही आम लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। सवाल है कि इतने लंबे समय से जारी हिंसक घटनाएं आखिर किन वजहों से आज भी रोकी नहीं जा पा रही हैं?गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी थाना क्षेत्र के तहत इंफाल-तामेंई आईटी मार्ग पर स्थित बस्ती में गुरुवार की सुबह कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। मारे गए लोग नगा समुदाय से थे। वहां सुरक्षा व्यवस्था की जो स्थिति थी, उसके मुताबिक नगा समुदाय के लोगों ने स्वाभाविक ही यह आरोप लगाया कि सरकार ने एक तरह से उग्रवादी संगठनों को खुली छूट दे रखी है और हिंसा की घटनाएं सुनियोजित हैं। सरकार पर ऐसे आरोप पहले भी अन्य समुदायों की ओर से लगाए जा चुके हैं। यह एक तरह से पीड़ित समूहों की ओर से सरकार को सीधे-सीधे कठघरे में खड़ा करना है। इस घटना के कुछ ही दिन पहले सेनापति जिले में उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी थी। न केवल पिछले कुछ दिनों से हिंसक घटनाओं में आई तेजी के मद्देनजर, बल्कि राज्य में इस समस्या की शुरुआत से ही सरकार का जो रवैया रहा है, उसे देखते हुए यह सवाल लाजिमी है कि वहां आज भी निर्दोष लोगों की हत्याओं से लेकर स्थानीय आबादी के घरों को जलाने या अन्य बेलगाम हमलों के जारी रहने के आखिर क्या कारण हैं।यह साफ है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। वहां जारी हिंसा में अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, करीब ग्यारह सौ लोग घायल हुए और कई हजार को विस्थापित होना पड़ा।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा- आर्थिक निवेश, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक संघ नेटवर्क का विस्तार

(अशोक भाटिया)

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है। इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं । इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन है । रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे

अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस विश्व-मित्र वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक बालगोकुलम जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा। सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा । डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है । उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर ज़ोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की , हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है ।

जीवन की राह में कठिनाइयां क्यों जरूरी हैं, शिकायत से जिम्मेदारी तक का सफर ही असली साधना

(ममता कुशवाहा)

साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। मनुष्य जब इस संसार में पदार्पण करता है, तो उसके साथ न कोई विधान आता है, न कोई प्रतिज्ञापत्र, जिस पर लिखा हो कि जीवन सदैव सुखद, सरल और मनोवांछित ही रहेगा। फिर भी हममें से अधिकांश लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि जीवन का स्वाभाविक स्वरूप सुख है, और दुख उसमें कोई अवांछित हस्तक्षेप। जब भी विपत्ति का बादल घिरता है, हम आकाश की ओर उंगली उठाकर पूछ बैठते हैं- 'मेरे ही साथ ऐसा क्यों?' यह प्रश्न स्वाभाविक है, लेकिन इसका उत्तर शिकायत में नहीं, स्वीकृति में छिपा है। जीवन को अगर हम एक न्यायालय मान लें, जहां हम वादी बनकर नियति के विरुद्ध याचिका दायर करते रहें, तो हमारा समूचा अस्तित्व एक असमाप्त मुकदमे में बदल जाता है। अगर हम जीवन को एक उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करें, एक ऐसा दायित्व, जो प्रत्येक सुबह के साथ नया होकर हमारे सम्मुख उपस्थित होता है, तो वही जीवन एक साधना बन जाता है। विक्टर फ्रैंकल ने अपने अनुभवों से यह प्रतिपादित किया था कि जीवन हमसे प्रश्न नहीं पूछता, बल्कि वह स्वयं एक प्रश्न है, जिसका उत्तर हमें अपने कर्मों और आचरण से देना होता है। गीता में कहा गया है कि फल की चिंता किए बिना कर्म में प्रवृत्त होना ही मनुष्य का धर्म है। हर परिस्थिति, चाहे वह सुखद हो या विषम, दरअसल, एक अनकहा प्रश्न लेकर हमारे द्वार पर दस्तक देती है। कोई प्रियजन का बिछोह हमसे धैर्य की परीक्षा लेता है, कोई असफलता साहस की मांग करती है, कोई विश्वासघात हमसे यह पूछता है कि क्या हम फिर भी प्रेम करने का साहस रखते हैं। इन प्रश्नों से पलायन संभव नहीं। संभव केवल इतना है कि हम इनका उत्तर किस भाव से दें- विवशता के साथ या समर्पण के साथ, कटुता के साथ या करुणा के साथ। साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। साहस वह ज्योति है, जो अंधकार से भयभीत नहीं होती। धैर्य वह जड़ है, जो आंधी में भी वृक्ष को धरती से बांधे रखती है। प्रेम वह जल है, जो सूखी हुई आत्मा को फिर से हरा-भरा करता है और कर्म वह हाथ है, जो विचारों को यथार्थ का रूप देता है। जब जीवन कोई कठिन प्रश्न प्रस्तुत करे, तो इन्हीं चार स्तंभों की ओर देखना चाहिए, क्योंकि इनके बिना कोई भी उत्तर अधूरा और खोखला रह जाता है। कठिनाइयां दरअसल उस आंतरिक शक्ति की परिचायक होती हैं, जो सामान्य दिनचर्या के सहज प्रवाह में अप्रकट रहती है। मनुष्य का चरित्र विपत्ति की भट्ठी में तपे बिना अपनी वास्तविक चमक नहीं पाता। सुख के दिनों में तो प्रत्येक व्यक्ति खुद को साहसी और धैर्यवान समझता है, लेकिन वास्तविक परीक्षा तब होती है, जब सब कुछ हाथ से छूटता प्रतीत हो। ऐसे क्षणों में जो व्यक्ति टूटने के बजाय खुद को नए सिरे से गढ़ लेता है, वही जीवन को समझ पाता है। हमारे दैनिक जीवन में यह सिद्धांत अनेक रूप में प्रकट होता है। एक माता-पिता, जो अपनी संतान की बीमारी में रात-दिन एक कर देते हैं, वे शिकायत नहीं करते, बल्कि अपने उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। एक शिक्षक, जो सीमित संसाधनों में भी अपने विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने में जुटा रहता है, वह भी इसी सिद्धांत का जीवंत उदाहरण है। एक श्रमिक, जो प्रतिदिन कठोर परिश्रम के पश्चात भी अपने परिवार के प्रति स्नेह और कर्तव्य में कमी नहीं आने देता, वह भी नियति के प्रश्न का उत्तर अपने कर्म से दे रहा होता है। यह उत्तरदायित्व किसी महान कार्य में ही नहीं, बल्कि इन्हीं छोटी-छोटी प्रतीत होने वाली साधारण घटनाओं में सन्निहित है। आधुनिक युग ने जीवन के अर्थ को सुख, धन और सफलता के त्रिकोण में सीमित कर दिया है। हम यह मान बैठे हैं कि जिसके पास अधिक धन है, जिसकी सफलता की गाथाएं सुनी-सुनाई जाती हैं, वही जीवन का वास्तविक विजेता है। मगर गहराई से विचार करें, तो पाएंगे कि धन और सफलता क्षणभंगुर हैं, वे आज हैं, कल नहीं भी हो सकते। जीवन का सच्चा अर्थ इन बाह्य उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उस आंतरिक निष्ठा में निहित है, जिससे हम अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं। एक व्यक्ति, जो निर्धनता में भी अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ता, जो असफलता में भी अपने मूल्यों से समझौता नहीं करता, वह धनवान और सफल व्यक्ति से कहीं अधिक सार्थक जीवन जी रहा होता है। यह स्वीकृति सरल नहीं है। मनुष्य का स्वभाव है कि वह सुविधा चाहता है, संघर्ष नहीं, लेकिन संघर्ष के बिना जीवन का कोई अर्थ शेष नहीं रहता। जिस प्रकार नदी अपने प्रवाह में अनेक अवरोधों को पार करते हुए ही सागर तक पहुंचती है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपनी कठिनाइयों को पार करते हुए अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य तक पहुंचता है। यह यात्रा कष्टप्रद अवश्य है, पर इसी कष्ट में वह माधुर्य छिपा है, जो सुगम मार्ग पर चलने वाले को कभी प्राप्त नहीं होता।

हिमालय की हिमनद झीलें बढ़ा रहीं खतरा, कहीं अगली बाढ़ का कारण न बन जाएं ये जलाशय

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

(प्रमोद भार्गव)

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है।

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

खबरों के अनुसार, 7,245 मीटर ऊंची लांगटांग लिरुंग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बताते हैं कि बढ़ते वैश्विक ताप से हिमनदों के पिघलने की गति तेज हो रही है, जिससे उनके टूटकर खिसकने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यही नहीं, हिमनदों के पिघलने से हिमालयी क्षेत्र में जहां नई झीलों का निर्माण हो रहा है, वहीं पुरानी झीलों का आकार भी बढ़ रहा है, जिन्हें निचले इलाकों की आबादी के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

नेपाल की इस त्रासदी से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक कि जिन हिमनद झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्रलय आया, वह 17 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित था।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि नेपाल की नदियों में इन झीलों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 हिमनद झीलें नेपाल में हैं और बाकी तिब्बत के सीमावर्ती इलाके में स्थित हैं। ये झीलें उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं।

इसलिए अगर इनके फटने से बाढ़ आती है, तो नीचे की ओर बसी आबादी और बुनियादी संरचना के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। यही संकट नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही में देखा गया है। यह चेतावनी यदि अनुमानों पर सही उतरती है, तो कहा जा सकता है कि नेपाल खतरे के मुहाने पर है।

भारत के इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से विभिन्न अध्ययनों से जुटाए गए आंकड़े भी डराने वाले हैं। इनके मुताबिक, भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं, क्योंकि बढ़ते वैश्विक ताप के कारण इन झीलों में बर्फ पिघलने से पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यही नहीं, अध्ययन बताते हैं कि सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्रों की चोटियों पर छोटी-बड़ी हजारों झीलें हैं। ये झीलें पहाड़ों पर अत्यंत तेज गति से प्राकृतिक रूप में आकार ले रही हैं।

लद्दाख में ही ऐसी 3,219 झीलों की पहचान की गई है। हिमालय के भारतीय क्षेत्र में कुल हिमनद झीलों में से 2,431 ऐसी हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दस हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई हैं। इन्हें विभिन्न सर्वेक्षणों ने अत्यधिक जोखिम भरी झीलों की श्रेणी में रखा है। हालांकि कुछ हिमनद झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ भी रहा है।

कुछ झीलों के बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिमाचल प्रदेश की गेफांग घाटी झील का आकार सर्वाधिक 178 फीसद बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में दस लाख लोग हिमनद झीलों के बीस-तीस किमी के दायरे में रहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बाढ़ की घटनाओं में तेजी आ सकती है, जिससे सालाना बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हो सकता है। साफ है कि वैश्विक ताप के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक तेज बारिश, बादल फटने, बाढ़, भारी बर्फबारी या फिर सूखे के कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान या फिर ज्वालामुखियों के फटने की घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि प्राकृतिक आपदाएं कभी भी आ सकती हैं।

चाय की चुस्की और दीदियों का हौसला : केरलापाल में खुला उम्मीदों का 'पंचायत कैफे'

प्रोटोकॉल छोड़ महिला समूहों के बीच बैठे शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, चखा हाथों से बना नाश्ता

सुकमा। वनांचल सुकमा में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। ग्राम पंचायत केरलापाल में जिला पंचायत द्वारा निर्मित 'पंचायत कैफे' का छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने शुभारंभ किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी, कलेक्टर अमित कुमार और जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण महिलाएं मौजूद रहीं। बिहान योजना से जुड़े स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा संचालित पंचायत कैफे ग्रामीणों और राहगीरों को स्वच्छ खान-पान की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही महिला समूहों के लिए रोजगार और आय का नया माध्यम बनेगा। कैफे परिसर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत आधुनिक शौचालय की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। पंचायत कैफे के शुभारंभ के दौरान शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने औपचारिक प्रोटोकॉल से अलग हटकर महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों के बीच बैठकर उनसे संवाद किया। उन्होंने महिलाओं के हाथों से तैयार पारंपरिक नाश्ता किया और चाय की चुस्की लेते हुए उनके कार्य और हुनर की सराहना की। मंत्री ने महिलाओं के उत्साह और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करते हुए अपनी ओर से नकद राशि भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया।

1.14 करोड़ की लागत से 8 'ग्रामीण आजीविका एक्सप्रेस' शुरू

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत लगभग 1.14 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 8 फोर्स ट्रैक्स 'तूफान' वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये वाहन नियद नेल्लानार क्षेत्र में महिला संकुल संगठनों के माध्यम से ग्रामीण आजीविका एवं परिवहन गतिविधियों को गति देंगे। इस योजना के तहत कृतिका महिला संकुल संगठन, चिंतलनार को 2 वाहन, विद्या महिला संकुल संगठन, दुब्बाटोटा को 2 वाहन, खुशी महिला संकुल संगठन को 2 वाहन, उदय महिला संकुल संगठन, एर्राबोर को 1 वाहन तथा प्रतिज्ञा महिला संकुल संगठन को 1 वाहन प्रदान किया गया। इन वाहनों के संचालन से अंदरूनी गांवों में आवागमन और परिवहन की सुविधा बेहतर होने के साथ ग्रामीण उत्पादों को हाट-बाजारों तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। इससे महिला स्व-सहायता समूहों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की उम्मीद है।

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मविश्वास समाज के लिए प्रेरणादायी है। पंचायत कैफे और ग्रामीण आजीविका एक्सप्रेस जैसी पहलें महिलाओं को रोजगार, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब सुदूर अंचल की महिलाओं के हाथों में उद्यम की बागडोर आती है, तो उसका लाभ पूरे परिवार और समाज को मिलता है। इस अवसर पर अरुण सिंह भदौरिया, धनीराम बारसे, हुंगाराम, जनपद सदस्य भीमा मड़कम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्य मौजूद रहीं।

श्री राघव मंदिर में मातृ–आस्था का अदभुत संगम, हलषष्ठी पूजन में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

किरंदुल। जहां मां की प्रार्थना में संतान का मंगल हो, वहां आस्था स्वयं पूजा बन जाती है, इसी भावना का दिव्य दृश्य बैलाडीला स्थित नगर के आस्था धाम श्री राघव मंदिर में देखने को मिला, जहां हलषष्ठी (हलछठ) पर्व पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया गया। श्री राम जन कल्याण सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित सामूहिक पूजन में नगर की बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने पारंपरिक वेशभूषा और पूजन थाली के साथ सहभागिता की। मंदिर के प्रधान पुजारी पं. सत्येन्द्र प्रसाद शुक्ला ने विधि-विधान से हलषष्ठी माता का पूजन और सामूहिक व्रत-कथा का वाचन कराया। संतान की दीर्घायु, आरोग्यता, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की कामना से व्रती माताओं ने श्रद्धापूर्वक पूजा की। एक साथ बैठकर पूजन करती माताओं का दृश्य मातृत्व की गरिमा और निःस्वार्थ प्रेम को जीवंत कर रहा था। पूरे मंदिर परिसर में भजन, मंत्रोच्चार और जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजकों ने सभी माताओं-बहनों के अनुशासन और उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि मातृशक्ति की यही सहभागिता हमारी सनातन परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत रखती है। अंत में हलषष्ठी माता से समस्त किरंदुल नगर परिवार की संतानों के स्वस्थ, संस्कारवान और दीर्घायु जीवन तथा सभी परिवारों में सुख-शांति की मंगलकामना की गई।

कोटा मार्ग में नेकी की दीवार साईट की विशेष सफाई करवाकर पुराने अनुपयोगी कपड़ों और गन्दगी को तत्काल उठवाकर कायम की स्वच्छता

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त गन्दगी से सम्बंधित जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा दिए गए निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक 20 क्षेत्र अंतर्गत भारत माता चौक के पास कोटा मार्ग में रायपुर पुलिस कमिश्नरी अंतर्गत रायपुर पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय के

समीप नेकी की दीवार साईट पर पहुंचकर वहाँ सफाई अभियान चलाकर और पुराने अनुपयोगी कपड़ों का कचरा और गन्दगी तत्काल उठवाकर जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा बाबत स्वच्छता कायम करते हुए प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

कुर्सी–मोह में 'टल्ली' हुई भानुप्रतापपुर की शिक्षा व्यवस्थाः दो–दो बीईओ कुर्सी संभालने में व्यस्त, शिक्षक शराब के सुर में मस्त

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर ब्लॉक में शिक्षा का 'स्तर' सुधरे न सुधरे, लेकिन कुछ शिक्षकों का 'पैग' एकदम सही नाप से बन रहा है! क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर है, लेकिन साहब लोगों को फुर्सत कहां? ब्लॉक में दो-दो खंड शिक्षा अधिकारी विराजमान हैं, पर दोनों का पूरा जोर स्कूलों का मुआयना करने में नहीं, बल्कि अपनी-अपनी कुर्सी का फेविकोल मजबूत करने में लगा है। अधिकारी कुर्सी बचाने की जंग लड़ रहे हैं, और उधर गुरुजी बोतल खाली करने की। ताजा मामला प्राथमिक शाला बिरकोंदल का है, जहां का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में ज्ञान के मंदिर को मयखाना बनाने वाले शिक्षक रोमन कोमरा का 'ईमानदार' कबूलनामा सामने आया है। गुरुजी कैमरे के सामने बड़े रौब और बेबाकी से कुबूल कर रहे हैं– हां, थोड़ा पीकर आया हूं। ग्रामीणों का तो सीधा आरोप है कि यह 'थोड़ा' किसी एक दिन का किस्सा नहीं, बल्कि गुरुजी का रोज का 'डेली रूटीन' है। स्कूल का समय होते ही गुरुजी ज्ञान बांटने कम और नशा बांटने ज्यादा पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब से साहब लोगों ने स्कूलों की तरफ देखना बंद किया है, तब से शिक्षकों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे क्लासरूम को ही अहाता समझ बैठे हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब दो-दो बीईओ अपनी कुर्सी बचाने के फेर में ही पसीना बहाते रहेंगे, तो इन 'टल्ली' गुरुजी लोगों पर नकेल कौन कसेगा? क्या शिक्षा विभाग इन नशेड़ी शिक्षकों पर कोई सख्त कार्रवाई करेगा या फिर साहब लोगों के कुर्सी बचाने के इस खेल में बच्चों का भविष्य यूं ही जाम से जाम टकराता रहेगा?

सभी एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षगणों, पार्षदों, एल्डरमैनों ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व 4 सितम्बर को समस्त नगरवासियों को दी शुभकामनायें

रायपुर। राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर सहित सभी एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षगणों, वार्ड पार्षदों, एल्डरमैनों ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व दिनांक 4 सितम्बर 2026 शुक्रवार के पावन अवसर पर समस्त नगरवासियों को अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए राजधानी शहर रायपुर सहित छत्तीसगढ़ राज्य के सभी निवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य, शान्ति प्रदान करने और राजधानी शहर रायपुर सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य को समृद्ध और खुशहाल बनाने और विकसित करने कार्य करने की शक्ति प्रदान करने योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य श्रीचरणों में सामूहिक विनम्र प्रार्थना की है। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे , सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी , स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर सहित सभी एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षगणों, वार्ड पार्षदों, एल्डरमैनों ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व का पावन अवसर सम्पूर्ण विश्व भर में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में प्राचीन काल से ही सभी श्रीकृष्ण भक्तजन भक्तिभाव, प्रेम, समर्पण, उल्लास के साथ आपस में मिलकर मनाते आ रहे हैं। योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन अत्यंत प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद रहा है। . योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्यकाल में रिश्ते में अपने मामा राक्षसराज कंस का वध करके सम्पूर्ण धरती को शोक से मुक्त किया। और युद्धभूमि में वीर अर्जुन को श्री भागवत गीता का ब्रम्ह ज्ञान देकर सम्पूर्ण मानवता को मानव जीवन में कल्याण का मार्ग दिखलाया.

राज्य मंत्री दर्जा मिलने पर अंजय शुक्ला का किया गया भव्य स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर अंजय शुक्ला को राज्यमंत्री का दर्जा प्रदान

किया गया है। अंजय शुक्ला को राज्यमंत्री दर्जा दिए जाने से हिंदू समाज, रायपुर के साथ प्रदेश के लोगों में एवं शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है। शुक्ला ने राज्यमंत्री दर्जा दिए जाने से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा संगठन का आभार व्यक्त किया है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला अस्पताल को राज्य स्तर पर सम्मान

कोण्डागांव। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला अस्पताल कोंडागांव को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के नेतृत्व, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रेमलाल मंडावी के मार्गदर्शन में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया। रायपुर में आयोजित आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की

कार्यशाला में बेहतर प्रदर्शन के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव को यह सम्मान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया एवं संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव कुमार झा की उपस्थिति में प्रदान किया गया। जिला अस्पताल में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत नेक्स्टजेन सॉफ्टवेयर के माध्यम से छह मॉड्यूल संचालित हैं। इनके जरिए ओपीडी पंजीयन, ओपीडी क्लिनिक, फार्मेसी, आईपीडी, लैब एवं रेडियोलॉजी विभाग की सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। जानकारी अनुसार, जिला अस्पताल में डिजिटल सेवाओं के लिए आवश्यक मानव संसाधन एक वर्ष पूर्व ही उपलब्ध कराया गया था। इसके परिणामस्वरूप मरीजों को डिजिटल सेवाएं लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं। कोण्डागांव जैसे क्षेत्र में, जहां ग्रामीण मरीजों के पास मोबाइल और नेटवर्क की उपलब्धता सीमित रहती है, वहां भी डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराना जिले की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

पुनीत कुमार नेताम ने जीसी–नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय एवं अपने परिवार का नाम किया गौरवान्वित

कोण्डागांव। शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव के एम.ए. भूगोल विषय के विद्यार्थी रहे पुनीत कुमार नेताम ने जून 2026 में आयोजित जीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय एवं अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। पुनीत कुमार नेताम ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में एम.ए. भूगोल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। अपनी इस उपलब्धि से उन्होंने न केवल अपनी मेहनत एवं लगन को साबित किया, बल्कि महाविद्यालय के लिए भी गौरव

का अवसर प्रदान किया है। उनकी सफलता पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम एवं भूगोल विभागाध्यक्ष समलेश पोटाई ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने पुनीत कुमार नेताम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

ग्रामीणों के बीच पहुंचे डॉ. प्रेमा साई, नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले परिवारों से की मुलाकात

बीजापुर। बस्तर के घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में बारिश, कीचड़ और कठिन रास्तों के बीच मां मातंगी दिव्य धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमा साई महाराज नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे। उद्देश्य था–उनकी पीड़ा को करीब से समझना, उनका हालचाल जानना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा होना। यमपुर (पामेड़) से लेकर नेलाकांकेर तक की इस यात्रा में जहां एक ओर रास्ते की मुश्किलों ने परीक्षा ली, वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिवारों के चेहरों पर आई मुस्कान इस यात्रा की संवेदनशील तस्वीर बन गई। यमपुर पहुंचने के दौरान बारिश और कीचड़ के कारण महाराज का काफिला मुश्किल में फंस गया। एक वाहन कीचड़ में फंस गया, जबकि काफिले की एक अन्य गाड़ी खराब हो गई। इसके बावजूद यात्रा नहीं रोकी गई। कठिन परिस्थितियों के बीच महाराज ग्रामीणों के बीच पहुंचे और नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले परिवारों से मुलाकात की। यमपुर और नेलाकांकेर की इस यात्रा में डॉ. प्रेमा साई महाराज ने कुल चार नक्सल पीड़ित परिवारों से मुलाकात

की। आर्थिक सहायता के साथ महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े तथा शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। वहीं तिरुपति सोढ़ी की बेटी संध्या की शादी का पूरा खर्च उठाने की घोषणा ने इस यात्रा को एक अलग मानवीय आयाम दिया। बारिश, कीचड़, खराब वाहन और दुर्गम रास्तों की चुनौतियों के बावजूद अंदरूनी गांवों तक पहुंची यह यात्रा इस बात का संदेश देती नजर आई कि नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को केवल राहत नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व, विश्वास और भावनात्मक सहारे की भी जरूरत है। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान डॉ. प्रेमा साई महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा का उल्लेख करते हुए उन्हें 'देव पुरुष' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से बस्तर में शांति और सामान्य जीवन की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों का सबसे बड़ा लाभ यहां के आम ग्रामीणों और नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों तक पहुंचना चाहिए। ग्राम यमपुर (पामेड़) में डॉ. प्रेमा साई महाराज ने नक्सल हिंसा में वर्ष 2025 में जान गंवाने वाले सुन्नम सम्मैया और वेक्को संदीप के परिवारों से मुलाकात की। सुन्नम सम्मैया की पत्नी नर्सम्मा और उनके दो छोटे बच्चों से महाराज ने बातचीत कर परिवार की स्थिति जानी। वहीं वेक्को संदीप की पत्नी आरती और उनके नौ वर्षीय पुत्र से भी मुलाकात की। दोनों परिवारों की परिस्थितियों को समझने के बाद महाराज ने 21-21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके साथ ही महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े, कॉपी, पेन, कंपास बॉक्स व चप्पल वितरित की गई। ग्रामीणों को दिव्य कवच और भभूति भी प्रदान की गई। दुर्गम रास्तों की परेशानियों के बावजूद महाराज जी ने ग्रामीणों के बीच पर्याप्त समय बिताया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उनके इस सहज और आत्मीय व्यवहार ने ग्रामीणों के बीच अपनत्व का भाव पैदा किया। यमपुर के बाद डॉ. प्रेमा साई जी महाराज ग्राम नेलाकांकेर पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया और बड़ी संख्या में लोगों ने उनसे आशीर्वाद लिया। यहां उन्होंने नक्सल हिंसा में वर्ष 2026 में मारे गए 40 वर्षीय तिरुपति सोढ़ी के परिवार से मुलाकात की। पत्नी शांति और पांच संतानों वाले परिवार की परिस्थितियों को जानने के बाद महाराज जी ने परिवार को 31 हजार और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

संक्षिप्त समाचार

सूरजपुर के दो शिक्षकों को मिलेगा राज्यपाल पुरस्कार शिक्षक दिवस पर राजभवन में उत्कृष्ट कार्य एवं नवाचार के लिए किया जाएगा सम्मानित

सूरजपुर संवाददाता। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2026 को रायपुर स्थित राजभवन में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में सूरजपुर जिले के दो शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। विकासखंड रामानुजनगर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याता गोपाल सिंह एवं शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली के शिक्षक योगेश कुमार साहू का चयन उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं नवाचार के लिए किया गया है। शिक्षक योगेश कुमार साहू ने गतिविधि आधारित शिक्षा, किचन गार्डन, पर्यावरण संरक्षण तथा शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। तथा व्याख्याता गोपाल सिंह ने विज्ञान शिक्षा में नवाचार, विज्ञान क्लब, प्रयोग एवं मॉडल निर्माण जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित दोनों शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जिले के शिक्षकों द्वारा नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों शिक्षकों का राज्य स्तरीय सम्मान के लिए चयन सूरजपुर जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने जिले के अन्य शिक्षकों से भी नवाचार एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने का आह्वान किया।

बिल्हा पुलिस की कार्रवाई: चोरी का कबाड़ खपाने की फिराक में दो आरोपी गिरफ्तार, 310 किलो लोहे का सामान जब्त

बिलासपुर। जिले में अवैध कबाड़ के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बिल्हा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी का सामान खरीदकर कबाड़ में खपाने की कोशिश कर रहे दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से कुल 310 किलोग्राम लोहे का कबाड़ सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, उमनि एवं वपुअ बिलासपुर रजनेश सिंह के निर्देश पर जिले में 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत अवैध कबाड़ के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बिल्हा द्वारा अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी। 3 सितंबर 2026 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भैसबोड़ फाटक के पास दो व्यक्ति साइकिल रिक्शा में लोहे का कबाड़ सामान लेकर जा रहे हैं। सूचना पर बिल्हा पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने मौके पर रेड कार्रवाई की। वहां दो व्यक्ति अपने-अपने साइकिल रिक्शा में लोहे का कबाड़ सामान रखे मिले। पूछताछ में उनकी पहचान भानु प्रताप चतुर्वेदी (29), निवासी मिनीबस्ती, थाना सिविल लाइन, बिलासपुर और मुकेश दास मानिकपुरी (29), निवासी बोडसरा, थाना हिर्री, बिलासपुर के रूप में हुई। पुलिस ने भानु प्रताप के कब्जे से लोहे की छड़, टीन सहित करीब 150 किलोग्राम कबाड़, जबकि मुकेश दास मानिकपुरी के कब्जे से लोहे की छड़, टीन एवं अन्य कबाड़ सहित करीब 160 किलोग्राम सामान बरामद किया। दोनों के कब्जे से कुल 310 किलोग्राम लोहे का कबाड़ जब्त किया गया। पुलिस के मुताबिक जब्त कबाड़ की कुल कीमत करीब 72 हजार रुपये बताई गई है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध इस्तगाशा क्रमांक 02/2026 एवं 03/2026, धारा 35(1)(1-4) बीएनएसएस एवं 303(2) बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से चोरी का सामान खरीदने में संलिप्त था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बिल्हा निरीक्षक तोपसिंह नवरंग, पीएसआई मंजुला साहू एवं रोशनी ध्रुव, प्रधान आरक्षक 102 अमर चन्द्रा, 786 अनिल बंजारे, आरक्षक 1431 अर्जुन जांगड़े एवं 1390 संतोष मरकाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आधुनिक उपकरण से सिग्नल प्रणाली की केबल में लीकेज की जांच का सफल प्रदर्शन

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने उसलापुर स्टेशन का किया संरक्षा निरीक्षण

■ महाप्रबंधक ने पॉइंट एवं क्रॉसिंग का आकस्मिक निरीक्षण कर परखे संरक्षा मानक

बिलासपुर। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज उसलापुर स्टेशन का संरक्षा निरीक्षण किया। रेल परिचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने स्टेशन की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संरक्षा से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्टेशन पर संरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उसलापुर स्टेशन के केंद्रीय आईपीएस कक्ष में सिग्नल प्रणाली को अधिक संरक्षित एवं मजबूत बनाने वाली आधुनिक तकनीक का सफल प्रदर्शन किया गया। इस नई व्यवस्था के अंतर्गत सिग्नल प्रणाली में उपयोग होने वाली केबलों में विद्युत रिसाव की जांच आधुनिक उपकरण के माध्यम से की जा सकती है। इसके लिए 'पोर्टेबल इंसुलेशन मॉनिटर विद फॉल्ट लोकेटर किट' का उपयोग किया गया। प्रदर्शन के दौरान ईएलडी की 110 वोल्ट एसी प्रणाली में कृत्रिम अर्थ फॉल्ट उत्पन्न कर आधुनिक उपकरण की सहायता से लीकेज करंट की सटीक माप की गई। इस तकनीक की प्रमुख विशेषता यह है कि बिना किसी विद्युत परिपथ को अलग किए अथवा परिचालन व्यवस्था को बाधित किए अर्थ फॉल्ट की पहचान एवं जांच की जा सकती है। इससे दोष की पहचान अधिक सहज एवं प्रभावी तरीके से संभव होती है तथा जांच के दौरान ट्रेनों के परिचालन में भी व्यवधान नहीं आता। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने इस आधुनिक तकनीक के प्रदर्शन का अवलोकन किया तथा इसके उपयोग को सिग्नल एवं केबल प्रणाली की संरक्षा तथा निवारक रखरखाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने ऐसी आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग एवं नियमित जांच के माध्यम से संभावित तकनीकी खामियों की समय रहते पहचान कर उन्हें दूर करने पर जोर दिया। इसके साथ ही महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने उसलापुर स्टेशन पर पॉइंट एवं क्रॉसिंग का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा संरक्षित रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न संरक्षा मानकों एवं मापदंडों को मौके पर परखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पॉइंट एवं क्रॉसिंग की कार्यप्रणाली, रखरखाव एवं संरक्षा से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली तथा निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि रेल परिचालन में संरक्षा सर्वोपरि है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से संभावित खामियों की समय रहते पहचान और निवारक रखरखाव से रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित एवं विश्वसनीय बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सजगता, सतर्कता एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहायक संचालक अजय सिंह ने पूर्व माध्यमिक शाला भवराही का किया गया औचक निरीक्षण

■ अव्यवस्था और लापरवाही पर प्रधान पाठक व शिक्षक को नोटिस

सूरजपुर संवाददाता। विकासखंड भैयाथान के संकुल केंद्र गंगोटी अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भवराही में उस समय हड़कंप मच गया जब सहायक संचालक (शिक्षा) अजय सिंह ने विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शाला में गंभीर प्रशासनिक खामियां, पठन-पाठन में लापरवाही और शिक्षकों की अनाधिकृत अनुपस्थिति उजागर हुई। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा संस्था के प्रभारी प्रधान पाठक और शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिनों में जवाब तलब किया गया है।

ऐप पर हाजिरी लगाकर नदारद मिले शिक्षक- सहायक संचालक अजय सिंह द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान पाया गया कि शिक्षक राजेश शर्मा ने उपस्थिति पंजी (रजिस्टर) में हस्ताक्षर नहीं किए थे, लेकिन विद्या समीक्षा केंद्र (ड्कुस्थ) ऐप पर उपस्थिति दर्ज कर वे बिना किसी सूचना या स्वीकृत अवकाश के स्कूल से नदारद थे। अधिकारियों ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता और कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही माना। आधे से अधिक स्टाफ एक साथ छुट्टी पर- निरीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार, प्रभारी प्रधान पाठक बसंत यादव सहित शिक्षक भावेश एवं सुरेश गेंदले एक ही दिन सामूहिक अवकाश पर पाए गए। एक साथ कई शिक्षकों के नदारद रहने से शैक्षणिक कार्य पूरी तरह प्रभावित मिला। दर्ज 52 विद्यार्थियों में से मौके पर मात्र 25 बच्चे ही उपस्थित थे। बच्चों का शैक्षणिक स्तर चिंताजनक, डायरी भी संधारित नहीं- अधिकारियों ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर की जांच की।

सूरजपुर ने रचा जल संरक्षण में नया कीर्तिमान देश में चौथा और छत्तीसगढ़ प्रदेश में अव्वल

■ जल संरक्षण मुहिम में राष्ट्रीय पहचान, देश के टॉप-10 जिलों में शामिल

सूरजपुर संवाददाता। जल संरक्षण के क्षेत्र में सूरजपुर जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देश में चौथा स्थान और छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत जिले में किए गए व्यापक जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण के कार्यों और जनभागीदारी के परिणामस्वरूप सूरजपुर ने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है।बारिश की हर बूंद को सहेजने और उसे धरती के भीतर पहुंचाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करने की दिशा में छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने देश के सामने जनभागीदारी का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। जल शक्ति मंत्रालय के 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तीसरे चरण में सूरजपुर जिला ने जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाने में सफल रहे हैं। सूरजपुर जिला ने देश में चौथा और छत्तीसगढ़ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर साझा की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण को केवल शासकीय योजनाओं और जल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं रखा है। किसानों, ग्राम पंचायतों, जल सखियों, जल मित्रों और स्थानीय समुदायों को इससे जोड़कर इसे व्यापक जनअभियान का स्वरूप दिया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पुरुष वर्ग टीम.... लगातार दूसरी बार बनी क्रॉस कंट्री चैंपियन

■ व्यक्तिगत स्पर्धा में हरीश ने हासिल किया दूसरा स्थान, विश्व रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए भी चयनित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने खेलों के क्षेत्र में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए 57वीं अखिल भारतीय अंतर-रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2026 में पुरुष वर्ग का खिताब लगातार दूसरी बार अपने नाम किया है। यह प्रतियोगिता दक्षिण पश्चिम रेलवे (स्क्रुत्र) स्पोर्ट्स एसोसिएशन, हुब्बली, कर्नाटक द्वारा आयोजित की गई, जिसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पुरुष एवं महिला टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पुरुष टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना चैंपियन खिताब बरकरार रखा। विजेता टीम में हरीश, प्रिंस राज यादव, प्रिंस राज मिश्रा, अंकित देसवाल, रवि एवं दिनेश ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में हरीश ने दूसरा तथा प्रिंस राज यादव ने पांचवां स्थान हासिल करते हुए टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। महिला वर्ग में भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुन्नी देवी, अंजली पटेल, निकिता लांबा, हिमांशी मलिक एवं शोभा यादव की टीम ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्रीड़ा संघ के पदाधिकारियों तथा अधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के धावक श्री हरीश का चयन विश्व रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए भी हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर भी क्रीड़ा संघ एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे परिवार ने उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पुरुष टीम की लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चैंपियन बनने की उपलब्धि से रेलवे के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों में हर्ष का माहौल है। यह सफलता दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में खेल प्रतिभाओं को निरंतर मिल रहे

एक ही रेस्क्यू, दो विभागों की अलग अलग कहानी!

सूरजपुर संवाददाता। ओड़गी थाना क्षेत्र के ग्राम मांदर में 2 सितंबर को रेड नदी में अचानक आई बाढ़ के बीच चट्टाननुमा स्थान पर फंसे युवक को सुरक्षित बाहर निकालने की घटना अब रेस्क्यू से ज्यादा श्रेय की कहानी बनती नजर आ रही है। पुलिस विभाग और जिला जनसंपर्क विभाग से जारी दो अलग-अलग आधिकारिक विज्ञप्तियों में एक ही घटना का उल्लेख है, लेकिन रेस्क्यू अभियान की कमान और सफलता का श्रेय दोनों विभागों ने अपने-अपने बचाव दल को दिया है। पुलिस विभाग की विज्ञप्ति के मुताबिक, ग्राम मांदर निवासी अशोक पिता ननकू चेरवा अपने साथियों के साथ नदी में मछली पकड़ने गया था। अचानक नदी में बाढ़ आने से वह बीच नदी में टापूनुमा स्थान पर फंस गया। सूचना मिलते ही थाना ओड़गी पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों के सहयोग से युवक तक पहुंच बनाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस ने पूरे अभियान में थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार पुरेना सहित पुलिसकर्मियों, एसडीआरएफ टीम और ग्रामीणों की भूमिका बताई है। वहीं जिला जनसंपर्क विभाग से जारी विज्ञप्ति में इसी घटना को जिला प्रशासन की राहत एवं बचाव टीम की तत्परता से सफल रेस्क्यू बताया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार घटना की सूचना भैयाथान एसडीएम के माध्यम से जिला प्रशासन को मिली, जिसके बाद जिला सेनानी के निर्देश पर डीडीआरएफ की संयुक्त टीम घटनास्थल पर पहुंची और चट्टान पर फंसे अशोक सोनपाकर को सुरक्षित बाहर निकाला। इसमें डीडीआरएफ संयुक्त टीम के प्रभारी हवलदार बीरबल गुप्ता सहित अन्य सदस्यों की भूमिका का उल्लेख किया गया है। नाम और भूमिका में भी अंतर - दोनों विभागों की विज्ञप्तियों को साथ रखकर देखने पर घटना को लेकर कुछ सवाल स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। पुलिस की विज्ञप्ति में युवक का नाम अशोक पिता ननकू चेरवा, उम्र 30 वर्ष बताया गया है, जबकि जिला प्रशासन की विज्ञप्ति में उसका नाम अशोक सोनपाकर बताया गया है। एक विज्ञप्ति में एसडीआरएफ एवं पुलिस के साथ ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास को प्रमुखता दी गई है, तो दूसरी में डीडीआरएफ संयुक्त टीम को सफल रेस्क्यू का मुख्य आधार बताया गया है। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर घटनास्थल पर रेस्क्यू अभियान की वास्तविक कमान किसके पास थी? क्या पुलिस, एसडीआरएफ डीडीआरएफ और ग्रामीण सभी संयुक्त रूप से अभियान में शामिल थे?

जन्माष्टमी के विभिन्न आयोजनों में शामिल हुए विधायक अमर अग्रवाल, मटकी फोड़ एवं मलखंभ प्रतियोगिताओं में बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

बिलासपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने शहर में आयोजित विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं खेल आयोजनों में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चन किया तथा आयोजनों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों एवं उपस्थित नागरिकों का उत्साहवर्धन किया। अमर अग्रवाल केंद्रीय जेल बिलासपुर में आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता एवं जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भक्ति, उल्लास, सद्भाव और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। केंद्रीय जेल में आयोजित कार्यक्रम में भी उत्सव का उत्साह और उमंग देखने को मिली। उन्होंने आयोजन के लिए पुलिस प्रशासन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही यादव समाज, बिलासपुर द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी महोत्सव में भी अमर अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने विशाल शोभायात्रा में सहभागिता कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सद्भाव बना रहे। करोना चौक युवा मंच द्वारा स्व. कमलकिशोर चौधरी जी की स्मृति में आयोजित मटकी फोड़ एवं मलखंभ प्रतियोगिता में भी विधायक अमर अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मटकी फोड़ एवं मलखंभ जैसे आयोजन हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ाने का सुंदर माध्यम हैं। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हमें धर्म, सत्य, कर्म और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

बैडमिंटन चैंपियनशिप के समापन समारोह में हुए शामिल

रेड डायमंड स्पोर्ट्स सेंटर में बिलासपुर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित योनेक्स सनराइज वेस्ट जोन इंटर स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 के समापन समारोह में भी बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अमर अग्रवाल ने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास के साथ उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास की सीख देते हैं। बिलासपुर में इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का बेहतर अवसर प्रदान करता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए सफल आयोजन के लिए बिलासपुर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन एवं आयोजन समिति को बधाई दी।

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा पर्व दही हांडी

दही हांडी भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा पर्व है। जन्माष्टमी की रात कान्हा के जन्मोत्सव के बाद अगले दिन गलियां एक बार फिर कृष्ण की बाल लीलाओं के रंग में रंग जाती हैं। सड़कों पर ढोल-ताशों की थाप सुनाई देती है और 'गोविंदा आला रे' के जयकारे गूंजते हैं। ऊंचाई पर टंगी मटकी और उसे फोड़ने के लिए बनता मानव पिरामिड इस उत्सव की सबसे बड़ी खासियत होता है। लेकिन एक सवाल लोगों के बीच बना हुआ है कि आखिर दही हांडी का उत्सव किस दिन मनाया जाएगा, 5 सितंबर या 6 सितंबर? तो चलिए जानते हैं दही हांडी उत्सव की सही तारीख, इस पर्व से जुड़ी परंपरा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन यानी 5 सितंबर को दही हांडी उत्सव होगा। इस दिन पूरे महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत कुछ राज्यों में गोविंदा पथक मटकी फोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाएंगे। हालांकि, अलग-अलग आयोजनों का समय अलग हो सकता है, इसलिए कार्यक्रम में जाने से पहले स्थानीय आयोजन की जानकारी जरूर देख लें।

कान्हा की माखन चोरी और दही हांडी की परंपरा

दही हांडी की परंपरा को भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं से जोड़ा जाता है। बाल कृष्ण को दही और माखन बेहद प्रिय था। गोकुल में मैय्या यशोदा समेत सभी महिलाएं माखन-दही से भरी मटकियां ऊंचाई पर टांग देती थीं, ताकि कान्हा माखन न चुरा सकें। लेकिन कन्हैया को भला कौन रोक सकता है, वह अपने सखाओं के साथ मिलकर मानव पिरामिड बनाते और मटकी फोड़कर उसमें रखा माखन-दही खा लेते थे। दही हांडी में मटकी फोड़ने की परंपरा इसी लीला की याद में एक भव्य उत्सव के रूप में मनाई जाती है।

जन्माष्टमी के बाद क्यों?

जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है, जबकि अगले दिन उनकी बाल लीलाओं को याद करने की परंपरा है। कृष्ण की माखन चोरी वाली नटखट लीला दही हांडी से विशेष रूप से जुड़ी मानी जाती है। इसी कारण जन्माष्टमी के अगले दिन यह उत्सव मनाया जाता है।

महाराष्ट्र में भव्य आयोजन

महाराष्ट्र में दही हांडी ने बड़े सार्वजनिक उत्सव का रूप ले लिया है। मुंबई, ठाणे और पुणे समेत कई शहरों में गोविंदा मंडल और पथक इसकी तैयारियां पहले से शुरू कर देते हैं। कई स्तरों वाली मानव पिरामिड बनाकर मटकी तक पहुंचने की कोशिश की जाती है। ढोल-ताशों, संगीत और दर्शकों के जयकारों के बीच पूरा माहौल उत्सव में बदल जाता है। कई आयोजनों में विजेता टीमों को पुरस्कार भी दिए जाते हैं।

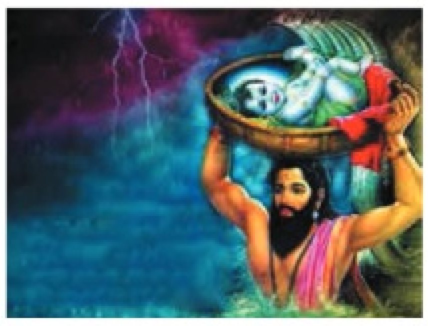

एकता और टीमवर्क का संदेश

दही हांडी केवल मटकी फोड़ने का खेल नहीं, बल्कि एकता, साहस और सहयोग का प्रतीक भी है। मानव पिरामिड में सबसे ऊपर पहुंचने वाला गोविंदा तभी मटकी तक पहुंच पाता है, जब नीचे खड़ी पूरी टीम मजबूती से उसका साथ देती है। यही सामूहिक प्रयास इस पर्व को खास बनाता है।

भगवान श्रीकृष्ण की माखन चोरी की लीला सबसे मनमोहक

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है और उनकी मनमोहक बाल लीलाओं का स्मरण किया जाता है। इनमें माखन चोरी की लीला सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। नटखट कान्हा का गोपियों के घर जाकर माखन चुराना और दही की हांडी फोड़ना आज भी भक्तों को खूब आकर्षित करता है। लेकिन क्या श्रीकृष्ण वास्तव में माखन खाने के लिए ही उसे चुराते थे? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उनकी इस लीला में प्रेम, भक्ति और आत्मीयता का गहरा संदेश छिपा है। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को उनकी चंचल और मनमोहक लीलाओं के लिए जाना जाता है। ब्रज में बाल गोपाल अक्सर गोपियों के घर पहुंच जाते थे और वहां रखे माखन-दही को अपने सखाओं के साथ मिलकर निकाल लेते थे। इसी कारण उन्हें प्रेम से 'माखन चोर' कहा जाने लगा। धार्मिक कथाओं में बताया जाता है कि श्रीकृष्ण के घर में भी माखन-दही की कोई कमी नहीं थी। ऐसे में उनके लिए दूसरे घरों से माखन चुराने की कोई आवश्यकता नहीं थी। यही बात उनकी इस लीला को साधारण चोरी से अलग करती है। भक्त परंपरा में इसे भगवान और उनके भक्तों के बीच प्रेमपूर्ण संबंध का प्रतीक माना गया है।

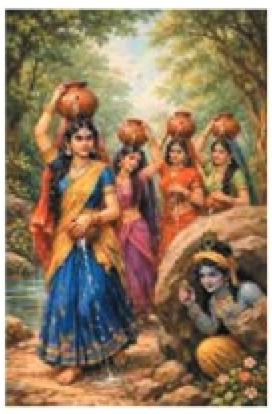

माखन चोरी के पीछे छिपा है भक्ति का संदेश

माखन दूध को मथकर प्राप्त किया जाता है। इसी कारण आध्यात्मिक दृष्टि से माखन को हृदय की शुद्धता और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि जिस तरह दूध को मथने के बाद उसका सार यानी माखन सामने आता है, उसी तरह साधना, भक्ति और भगवान के निरंतर स्मरण से मनुष्य के भीतर छिपा प्रेम भी प्रकट होता है। इस दृष्टि से श्रीकृष्ण का माखन चुराना केवल एक बाल लीला नहीं, बल्कि भक्त के निर्मल हृदय को अपने प्रेम में समेट लेने का संकेत माना जाता है। यानी कान्हा को माखन से ज्यादा अपने भक्तों का प्रेम प्रिय था।

गोपियों के घर ही क्यों जाते थे कान्हा?

ब्रज की गोपियां कृष्ण की बाल लीलाओं से अत्यंत प्रभावित थीं। वे प्रतिदिन दूध-दही से माखन तैयार करती थीं और कृष्ण के प्रति प्रेम भाव रखती थीं। मान्यता है कि गोपियों का मन हमेशा कृष्ण के स्मरण में लगा रहता था। जब कृष्ण उनके घर माखन चुराने पहुंचते, तो उनकी शिकायतें भी कहीं न कहीं कान्हा के प्रति प्रेम को व्यक्त करती थीं। वे यशोदा मैया से कृष्ण की शिकायत करतीं, लेकिन मन ही मन उनके दोबारा आने की प्रतीक्षा भी करती थीं। माखन चोरी की लीला ने कृष्ण और ब्रजवासियों के बीच आत्मीयता को और गहरा किया।

दही हांडी का कृष्ण की बाल लीला से क्या संबंध है?

जन्माष्टमी के अवसर पर दही हांडी का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। इसमें ऊंचाई पर दही या माखन से भरी हांडी बांधी जाती है और लोग मानव पिरामिड बनाकर उसे फोड़ने का प्रयास करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसका संबंध कृष्ण की उसी बाल लीला से है जिसमें वे अपने सखाओं के साथ मिलकर ऊंचाई पर रखे माखन-दही के मटके तक पहुंचते थे। गोपियां माखन को ऊंचाई पर रख देती थीं ताकि नटखट कान्हा उसे आसानी से न निकाल सकें। लेकिन कृष्ण अपनी टोली के साथ मिलकर मटके तक पहुंचने का उपाय खोज लेते थे। दही हांडी की परंपरा इसी चंचल लीला की याद दिलाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज काम के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ेगा। अपनी लाइफस्टाइल में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। दांपत्य जीवन में खुशियां रहेंगी। सरकारी नौकरी करने वालों को अपने काम में एक्सट्रा मेहनत करनी पड़ सकती है। नए काम की शुरुआत के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज काम के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ेगा। अपनी लाइफस्टाइल में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। दांपत्य जीवन में खुशियां रहेंगी। सरकारी नौकरी करने वालों को अपने काम में एक्सट्रा मेहनत करनी पड़ सकती है। नए काम की शुरुआत के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृषभ राशि - विद्यार्थियों को हायर स्टडीज में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें। आज झूठ बोलने से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चों से जुड़ी किसी बात को लेकर चिंता हो सकती है। स्वार्थी लोगों से दूरी बनाकर रखें।

मिथुन राशि - आज आपका व्यवहार लोगों के प्रति काफी पोलाइट रहेगा। ऑनलाइन शॉपिंग में जरूरत से ज्यादा समय और पैसा खर्च हो सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। किसी रिश्तेदार की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। विदेश यात्रा के योग भी बन रहे हैं।

कर्क राशि - दिखावे के चक्कर में जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें। कारोबार को एक्सपेंड करने की योजना में कुछ रुकावट आ सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी मुद्दे पर बहस होने की संभावना है। राजनीति से जुड़े लोगों को आज थोड़ा संभलकर काम करना होगा।

सिंह राशि - रोजगार के नए ऑप्शन मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। नई संपत्ति खरीदने का विचार बन सकता है। अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। कॉलेज स्टूडेंट्स को जॉब का अच्छा अवसर मिल सकता है। लव मैरिज के लिए परिवार को मनाने में कामयाबी मिल सकती है।

कन्या राशि - अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अच्छा रहने वाला है। हालांकि किसी भी मुद्दे पर कमेंट करने से पहले अच्छी तरह सोच लें। परिवार के साथ रिश्ते अच्छे बनाए रखने की कोशिश करें।

तुला राशि- आज फिजूलखर्ची से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए पैसों को लेकर सावधानी रखें। किसी भी काम को लेकर जल्दबाजी करना ठीक नहीं होगा। धार्मिक कार्यक्रमों में व्यस्तता बढ़ सकती है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ने के योग हैं।

वृश्चिक राशि - आज ओवर कॉन्फिडें,स से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी बातों से किसी के नाराज होने की संभावना है, इसलिए बोलते समय शब्दों का ध्यान रखें। प्रेम संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। बुजुर्गों को घुटनों और कमर से जुड़ी परेशानी हो सकती है। अपने काम पर फोकस करें।

धनु राशि- घर का माहौल खुशनुमा रहेगा और वैवाहिक जीवन का तनाव कम हो सकता है। साझेदारी में नया बिजनेस शुरू करने की प्लानिंग कर सकते हैं। धर्म-कर्म के प्रति आपका इंट्रस्ट बढ़ेगा। आज आपकी कोई बड़ी मनोकामना पूरी होने की संभावना है।

मकर राशि - दांपत्य जीवन में प्रेम और आपसी समझ बढ़ेगी। उधार के लेन-देन में सावधानी रखना जरूरी होगा। अपनी वर्किंग स्टाइल में बदलाव करके काम को बेहतर तरीके से करने की कोशिश करेंगे। प्रशासन से जुड़े लोगों पर काम का प्रेशर कम हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ राशि- बच्चों की गलत आदतों को इग्नोर न करें। अचानक होने वाले खर्च आपकी प्लानिंग बिगाड़ सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को स्ट्रेस हो सकता है। बातचीत करते समय अपने शब्दों का ध्यान रखें, क्योंकि आपकी किसी बात का गलत मतलब निकाला जा सकता है।

मीन राशि- आज एक साथ कई कामों की जिम्मेदारी मिल सकती है। पुराने दोस्तों से बातचीत या मुलाकात होने की संभावना है। रियल एस्टेट में इन्वेस्ट करते समय जांच-पड़ताल कर लें। कार्यक्षेत्र की परेशानियों को दूर करने में सफलता मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है।

5 सितंबर को ही क्यों मनाया जाता है शिक्षक दिवस?

भारत में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाने की वजह डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन है। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। वे देश के प्रमुख दार्शनिक, शिक्षाविद और राजनेताओं में शामिल रहे। राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, डॉ. राधाकृष्णन का जन्मदिन भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह उनके शिक्षा और दर्शन के क्षेत्र में योगदान को सम्मान देने का तरीका है। कहा जाता है कि जब उनके कुछ विद्यार्थियों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई, तो राधाकृष्णन ने व्यक्तिगत जन्मदिन समारोह के बजाय इस दिन को शिक्षकों के सम्मान के अवसर के रूप में मनाने का सुझाव दिया। इसके बाद 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की परंपरा विकसित हुई। इसलिए 5 सितंबर केवल किसी महान व्यक्ति की जयंती नहीं, बल्कि शिक्षा और शिक्षक की भूमिका को सम्मान देने वाला दिन बन गया।

हर साल 5 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के उन शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है, जो केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, सोच और भविष्य को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में इस दिन विशेष कार्यक्रम, भाषण, सांस्कृतिक आयोजन और शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किए जाते हैं।लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भारत में शिक्षक दिवस के लिए 5 सितंबर की तारीख ही क्यों चुनी गई? इसके पीछे देश के महान शिक्षाविद, दार्शनिक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण जुड़ा है। आइए जानते हैं शिक्षक दिवस का इतिहास और बदलते दौर में इसकी प्रासंगिकता।

कौन थे डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन?

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय दर्शन और शिक्षा जगत के प्रमुख नाम थे। वे एक शिक्षक और दार्शनिक के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके थे और आगे चलकर वे देश के उपराष्ट्रपति और फिर भारत के दूसरे राष्ट्रपति बने। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक प्रोफाइल के अनुसार, राष्ट्रपति के रूप में भी उन्हें उनकी विद्वता, भारतीय संस्कृति की गहरी समझ और दार्शनिक दृष्टिकोण के लिए सम्मान मिला। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को हुआ। उनका मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ जानकारी या तकनीकी कौशल हासिल करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा ऐसी सोच विकसित करे, जिससे व्यक्ति तर्कशील बने, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझे और जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज में योगदान दे और यही विचार आज भी शिक्षक दिवस के मूल संदेश को मजबूत बनाता है।

शिक्षक दिवस का इतिहास क्या है?

भारत में शिक्षक दिवस की पहचान डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिन से जुड़ी है। स्वतंत्र भारत में शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार माना गया और राधाकृष्णन जैसे शिक्षाविदों ने शिक्षा के उद्देश्य को केवल परीक्षा और डिग्री तक सीमित न रखने पर जोर दिया। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने शिक्षक दिवस के एक संबोधन में भी 5 सितंबर को डॉ. राधाकृष्णन की जयंती के रूप में मनाए जाने को शिक्षा और दर्शन के क्षेत्र में उनके योगदान को श्रद्धांजलि बताया था। इस तरह 5 सितंबर भारतीय शिक्षा व्यवस्था मे धीरे-धीरे एक ऐसे अवसर के रूप में स्थापित हुआ, जब विद्यार्थी अपने शिक्षकों के योगदान को याद करते हैं और समाज शिक्षक की भूमिका पर विचार करता है।

शिक्षक सिर्फ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं

राधाकृष्णन के शिक्षा संबंधी विचार आज भी शिक्षक दिवस की आत्मा माने जा सकते हैं। उनके अनुसार शिक्षा का लक्ष्य केवल तथ्यों को याद कराना या तकनीकी दक्षता हासिल कराना नहीं था, बल्कि विद्यार्थियों में तर्क, विवेक और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना भी था। यही कारण है कि शिक्षक की भूमिका को केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले व्यक्ति के रूप में देखना अधूरा है।

टेस्टोस्टेरोन थेरेपी के साइड इफेक्ट्स और प्राकृतिक सुधार

महिलाओं में मेनोपॉज़ की तरह पुरुषों में कोई निश्चित 'मेनोपॉज़' नहीं होता, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई हार्मोनल और शारीरिक बदलाव धीरे-धीरे आ सकते हैं, जिन पर अभी भी बहुत कम चर्चा होती है। कुछ लोग इसे 'एंड्रोपॉज़' या 'पुरुष मेनोपॉज़' कहते हैं, लेकिन यह शब्द भ्रामक है — महिलाओं की तरह पुरुषों में हार्मोन का उत्पादन अचानक बंद नहीं होता, बल्कि बहुत धीमी गति से और हर व्यक्ति में अलग-अलग हद तक बदलता है।

40 की उम्र के बाद कुछ पुरुषों मे लगातार थकान, यौन इच्छा में कमी, नींद में परेशानी, मूड मे बदलाव, एकाग्रता कम होना या मांसपेशियों की ताकत और स्टैमिना घटने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इन्हें केवल 'उम्र का असर' मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उम्र बढ़ने के साथ कुछ पुरुषों मे टेस्टोस्टेरोन का स्तर धीरे-धीरे कम हो सकता है, लेकिन हर पुरुष मे ऐसा होना जरूरी नहीं है और इन लक्षणों के पीछे केवल हार्मोन ही जिम्मेदार नही होते। बढ़ता वजन, पर्याप्त नींद न मिलना, खर्राटों के साथ नींद में सांस रुकना (स्लीप एपनिया), लगातार तनाव, डिप्रेशन, शारीरिक गतिविधि की कमी, डायबिटीज, थायरॉइड की समस्या और दूसरी मेटाबॉलिक बीमारियां भी ऐसे ही लक्षण पैदा कर सकती हैं। इसलिए पुरुषों की सेहत को केवल टेस्टोस्टेरोन के स्तर से नहीं, बल्कि उनके पूरे स्वास्थ्य और जीवनशैली को ध्यान में रखकर देखना जरूरी है। इसी तरह इरेक्शन से जुड़ी समस्या कई बार दिल की बीमारी, डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर का शुरुआती संकेत होती है। लिंग की रक्त वाहिकाएं हृदय की धमनियों से पतली होती हैं, इसलिए रुकावट के लक्षण वहां अक्सर कई साल पहले दिखाई दे जाते हैं। इसे शर्मिंदगी का विषय मानकर टालने के बजाय एक चेतावनी संकेत की तरह लेना चाहिए। इस उम्र में कुछ छोटे लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव काफी मददगार हो सकते हैं। नियमित व्यायाम, खासकर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, संतुलित आहार, स्वस्थ

वजन बनाए रखना, पर्याप्त नींद लेना, धूम्रपान से बचना और तनाव को नियंत्रित करना ऊर्जा, मांसपेशियों की ताकत, मूड, यौन स्वास्थ्य और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। 40 के बाद कई पुरुषों में पेशाब से जुड़े बदलाव भी शुरू होते हैं — रात में बार-बार उठना, धार का कमजोर पड़ना, पेशाब शुरू होने में देरी या बार-बार जाने की जरूरत महसूस होना। इन्हें भी अक्सर उम्र का हिस्सा मानकर छोड़ दिया जाता है, जबकि इनकी जांच और इलाज दोनों उपलब्ध हैं और समय पर ध्यान देने से आगे की जटिलताएं टाली जा सकती हैं। यही वजह है कि टेस्टोस्टेरोन थेरेपी हमेशा डॉक्टर की निगरानी और नियमित जांच के साथ ही ली जानी चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि उम्र बढ़ने का मतलब अपनी ऊर्जा, यौन स्वास्थ्य या सक्रियता को खो देना नही है। सही समय पर इन बदलावों को पहचानना, अपनी जीवनशैली पर ध्यान देना और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेना पुरुषों को 40 और 50 की उम्र के बाद भी स्वस्थ, सक्रिय और आत्मविश्वास से भरपूर जीवन जीने में मदद कर सकता है।

कोलोरेक्टल कैंसर मरीज में मिला लिंच सिंड्रोम

मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में आनुवंशिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर म्यूटेशन की जांच कराने वाले हर छह में से लगभग एक मरीज में लिंच सिंड्रोम पाया गया है। लिंच सिंड्रोम एक ऐसी आनुवंशिक स्थिति है, जो कोलोरेक्टल यानी आंत के और एंडोमेट्रियल यानी गर्भाशय के कैंसर के खतरे को बढ़ा देती है। वैश्विक मेडिकल शोधों के अनुसार, दुनिया भर में कोलोरेक्टल कैंसर के कुल मामलों में से लगभग 5 से 8 प्रतिशत मामलो के लिए लिंच सिंड्रोम को जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि, अस्पताल की जेनेटिक रजिस्ट्री के 4 साल के नए आंकड़ों के अनुसार, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में जांच कराने वाले मरीजों में यह आंकड़ा 15 .5 प्रतिशत पाया गया है, जो वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना अधिक है। डॉक्टरों का कहना है कि यह नतीजा इस बात की ओर इशारा करता है कि भारतीय मरीजों में आनुवंशिक कैंसर के इस खतरे को कम पहचाना और जांचा जा रहा है। ये निष्कर्ष अस्पताल के हेरेडिटरी कैंसर क्लिनिक में चार सालों के दौरान आनुवंशिक म्यूटेशन की जांच कराने वाले 780 कैंसर मरीजों के अध्ययन से सामने आए हैं। इनमें से 284 मरीजों की जांच पेट और आंत के कैंसर से जुड़े म्यूटेशन के लिए की गई थी, जिसमें से 44 मरीज (15 .5 प्रतिशत) पॉजिटिव पाए गए। इसके अलावा, 495 मरीजों की जांच 'हियरडिटरी ब्रेस्ट एंड ओवेरियन कैंसर' (एचबीओसी) म्यूटेशन के लिए की गई, जो 'BRCA1' और 'BRCA2' जीन से जुड़े होते हैं; इनमें से 103 मरीज (लगभग 21 प्रतिशत) पॉजिटिव पाए गए। कुल मिलाकर देखा जाए, तो दोनों समूहों में जांच कराने वाले हर पांच में से लगभग एक मरीज में बीमारी पैदा करने वाला आनुवंशिक म्यूटेशन पाया गया। ये आंकड़े अस्पताल की जेनेटिक रजिस्ट्री से

लिए गए है, जिसे अस्पताल की 'इम्पावरिंग फैमिलीज बाय जेनेटिक टेस्टिंग' मुहिम के तहत तैयार किया गया है। इसे सुरक्षित REDCap डेटा प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है, जो आनुवंशिक नतीजों को मरीजों के मेडिकल इतिहास और इलाज के परिणामों के साथ मिलाने का काम करता है। अब तक सामने आई एक खास बात यह है कि अस्पताल में जांचे और रिकॉर्ड किए गए कुल वंशानुगत मामलों में से लगभग 90 प्रतिशत मामले अकेले एचबीओसी (HBOC) और लिंच सिंड्रोम (Lynch syndrome) के हैं। इसमें पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों तरह के नतीजे शामिल हैं। इसी वजह से, अस्पताल में जांच कराने वाले मरीजों में ये दोनों सिंड्रोम सबसे प्रमुख और बड़े आनुवंशिक कैंसर खतरे बनकर उभरे हैं।मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी की कंसलटेंट डॉ. अमृत कौर कालेर ने कहा, "भारतीय मरीजों में आनुवंशिक कैंसर के जितने भी मामले दिख रहे हैं, उनमें लिंच सिंड्रोम सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा अनदेखा किया जाने वाला कारण है। हमारे आंकड़े बताते हैं कि पेट और आंत के कैंसर से पीड़ित हर छह मे से लगभग एक मरीज मे यह म्यूटेशन मौजूद है। यह दर वैश्विक स्तर पर दर्ज मामलो से करीब तीन गुना अधिक है। यह सिर्फ एक आंकड़ा नही है; इसका सीधा मतलब यह है कि हम जिस भी मरीज की पहचान करते है, उसके माता-पिता, भाई-बहन और बच्चो मे भी बिना किसी जानकारी या जांच के यह खतरा चुपके से मौजूद हो सकता है। एक जेनेटिक रजिस्ट्री हमें कैंसर को सिर्फ किसी एक व्यक्ति की बीमारी के रूप में देखने से आगे बढ़ने में मदद करती है। जब हम आनुवंशिक जानकारी को परिवार के मेडिकल इतिहास, इलाज और उसके नतीजों के साथ जोड़ते हैं, तो हमे ऐसे संकेत मिलते है जो पूरे परिवार की सुरक्षा के लिए जरूरी होते हैं। यही कारण है कि जिन मरीजों को जेनेटिक जांच से फायदा हो सकता है, उनकी पहचान करना और इसे लेकर जागरूकता बढ़ाना स्वास्थ्य सेवाओं की प्राथमिकता होनी चाहिए।

महिलाओं को मात्र 1 रूपये में सेनेटरी नेपकिन, विधायक रिकेश की जनसेवा में जुड़ी एक और कड़ी

विधायक कार्यालय में लगेगी ऑटोमेटिक सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन, माताओं-बहनों को मिलेगी सहज और किफायती सुविधा

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जनसेवा को केवल घोषणाओं तक सीमित न रखते हुए उसे आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतों से जोड़ने की दिशा में विधायक रिकेश सेन की पहल लगातार आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में अब विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं और किशोरियों के लिए मात्र 1 रुपये में सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध कराने की सुविधा शुरू की जा रही है।

गणेश चतुर्थी, 14 सितंबर 2026 से श्वेताम्बर जैन मंदिर, जीरो रोड शांति नगर स्थित वैशाली नगर विधायक कार्यालय में ऑटोमेटिक सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन लगाई जा रही है। इसके माध्यम से माताएं-बहनें जरूरत के समय बेहद सरल तरीके से मात्र 1 रूपये में सेनेटरी नेपकिन प्राप्त कर सकेंगी।

महिला स्वास्थ्य और गरिमा को प्राथमिकता- विधायक रिकेश सेन ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि होने का वास्तविक उद्देश्य जनता की समस्याओं को समझना और उनके समाधान को सरल, सहज और सम्मानजनक बनाना है। सेनेटरी नेपकिन जैसी आवश्यक वस्तु को आसानी से और बेहद कम कीमत पर उपलब्ध कराने की यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और गरिमा से सीधे जुड़ी है। विशेष रूप से जरूरतमंद महिलाओं के लिए यह सुविधा उस समय उपयोगी साबित हो सकती है, जब उन्हें तत्काल सेनेटरी नेपकिन की आवश्यकता हो। विधायक कार्यालय में मशीन की उपलब्धता से महिलाओं को इसे प्राप्त करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

वैशाली नगर विधायक कार्यालय पहले से ही विभिन्न जनोपयोगी सेवाओं और योजनाओं के संचालन का केंद्र बना हुआ है। यहां ब्लड चेकअप, एक्स-रे, सोनोग्राफी, डायलिसिस, मोतियाबिंद ऑपरेशन, पावर चश्मा, दुल्हन का ब्राइडल मेकअप और मेहंदी सहित अनेक सेवाओं के माध्यम से लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अब 14 सितंबर से सेनेटरी नेपकिन की 1 रूपये वाली सुविधा इन सेवा कार्यों में एक और महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में जुड़ जाएगी।

अंतिम व्यक्ति तक सुविधा के विजन पर जोर- विधायक रिकेश की जनसेवा की कार्यशैली में यह सोच प्रमुखता से दिखाई देती है कि सरकारी योजनाओं और सामाजिक सुविधाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक बिना किसी भेदभाव के, सरल तरीके से पहुंचे। इसी विजन के तहत विधायक कार्यालय को केवल राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र न बनाकर जनसुविधा और सेवा का केंद्र बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सेनेटरी नेपकिन की यह नई सुविधा इसी सोच का हिस्सा है, जहां छोटी लेकिन बेहद जरूरी जरूरतों को भी जनसेवा के दायरे में शामिल किया जा रहा है। 14 सितंबर से शुरू होने वाली यह पहल वैशाली नगर विधानसभा की महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता और आत्मसम्मान से जुड़ी एक उपयोगी सुविधा के रूप में देखी जा रही है।

गौरव पथ सहित शहरी अधोसंरचना को मिली गति

धमतरी। धमतरी शहर को सुव्यवस्थित, सुविधायुक्त और आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप शहर में सड़क, आवागमन, पर्यटन, खेल, आवास और शहरी अधोसंरचना के क्षेत्र में एक साथ कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रानी दुर्गावती चौक से ब्रम्ह चौक, बिलाई माता मंदिर होते हुए नहर नाका एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक तक आरसीसी डिवाइडर, आरसीसी नाली एवं स्ट्रीट लाइट पोल सहित गौरव पथ रोड निर्माण के लिए 15 करोड़ 09 लाख 31 हजार रुपए की अंतिम स्वीकृति प्रदान की गई है। मालूम हो कि सिहावा रोड और रत्नाबांधा रोड के फोरलेन की स्वीकृति के अंबेडकर चौक से रुद्री तक फोरलेन तथा रुद्री से गंगरेल मार्ग के चौड़ीकरण की भी स्वीकृति मिल गई है। इन दोनों महत्वपूर्ण मार्गों के विकास से शहर के यातायात को सुगम बनाने के साथ.साथ धमतरी से गंगरेल आने.जाने वाले लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी। धमतरी विधानसभा क्षेत्र में धमतरी-गंगरेल-कुकरेल मार्ग लंबाई 18.50 किलो मीटर के निर्माण कार्य हेतु राशि रू 81.43 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति पर सहमति वित्त विभाग द्वारा प्रदान कर दी गई है। यह महत्वपूर्ण परियोजना शहर के प्रमुख मार्गों को बेहतर स्वरूप देने के साथ यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने और रात्रिकालीन आवागमन को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गौरव पथ के निर्माण से शहर के विकास को एक नया आयाम मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सोच है कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक शहर को आधुनिक सुविधाओं और बेहतर अधोसंरचना से सुसज्जित करना है। इसी तारतम्य में धमतरी में हो रहे विकास कार्य शहर की आवश्यकता और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं। सड़कए पर्यटनए खेल और नागरिक सुविधाओं का विस्तार धमतरी को एक विकसित और सुविधायुक्त शहर के रूप में आगे ले जाएगा। राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि धमतरी के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन समन्वित रूप से कार्य कर रहे हैं। शहर में अधोसंरचना विकास के साथ नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। गौरव पथ जैसी परियोजनाएं शहर की पहचान को बेहतर बनाने के साथ आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी गति देंगी। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। गौरव पथ, अर्बन चैलेंज फंड से प्रस्तावित परियोजनाएं, खेल सुविधाओं का विस्तार तथा सौंदर्यीकरण के कार्य शहर को बेहतर स्वरूप प्रदान करेंगे। नगर निगम नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रहा है। महापौर रोहरा ने गौरव पथ सहित शहर में स्वीकृत एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

साइबर जागृति अभियान के तहत जिला स्तरीय 'वरिष्ठ नागरिक साइबर जागरूकता सम्मेलन' का हुआ सफल आयोजन, दिए महत्वपूर्ण टिप्स

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'साइबर जागृति अभियान' (15 अगस्त - 02 अक्टूबर) के तहत जिला पुलिस कार्यालय बलौदाबाजार के सभा कक्ष में 'वरिष्ठ नागरिक जिला स्तरीय साइबर जागरूकता सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट, पुलिस/सीबीआई/ईडी अधिकारी बनकर की जाने वाली फर्जी कॉल, ओटीपी व बैंकिंग धोखाधड़ी तथा साइबर ठगी के नए तरीकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा एवं थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक लखेश केंवट द्वारा उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर अपराधियों के पैंतरों से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। आयोजन में वरिष्ठ नागरिक संगठन के अध्यक्ष श्याम शुक्ला, नागरिक सेवा समिति से आर.एन. वर्मा, छ.ग. पेंशनर्स एसोसिएशन संघ के जिलाध्यक्ष एस.एन. पाध्येय, छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ के अध्यक्ष तारण सिंह ठाकुर, स्वदेशी जागरण मंच से जय नारायण केसरवानी, शिक्षक संघ से बलविंदर सिंग, छ.ग. मनवा कुर्मी समाज अध्यक्ष खोडस कश्यप, संघ प्रमुख राजनारायण केशरवानी एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. निशा झा सहित लगभग 60 की संख्या में वरिष्ठ नागरिक, सेवानिवृत्त अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. निशा झा ने अपने साथ घटित साइबर क्राइम के प्रयास की घटना को सभी के साथ साझा किया और बताया कि कैसे सतर्कता बरतकर वे ठगी का शिकार होने से बचीं। इसके अतिरिक्त उपस्थित वरिष्ठ जनों ने यह भी बताया कि जैसे ही वह सेवानिवृत्त हुए थे, उस दौरान कई अनजाने नंबरों से उनके पास कॉल एवं मैसेज आदि आए थे, जिस पर उन्होंने सावधानी एवन सतर्कता बरतते हुए, अपने सांथ होने वाली संभावित साइबर क्राइम की घटना को रोका। उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों ने ऑनलाइन बैंकिंग, अनजान वीडियो कॉल व डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकियों से संबंधित प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका पुलिस अधिकारियों द्वारा बिंदुवार एवं संतोषजनक समाधान किया गया। पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल पर अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा न करें।

आफ्टर एजुकेशन जॉब सर्चिंग को छोड़ जॉब प्रोवाइडर बनने का मिला टिप्स, Kalyan College की पहल

कल्याण कॉलेज के स्टूडेंट्स ने सीखा और ठाना की जॉब नहीं करेंगे, बल्कि कइयों को जॉब देने वाला बनेंगे

कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की अनूठी पहल

भिलाई। एजुकेशन हब भिलाई में आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन, स्वरोजगार और आमदनी में बढ़ोत्तरी के गुर सिखाए गए। कॉलेज स्टूडेंट्स को नौकरी पाने के बजाए नौकरी देने वाला बनने के बारे में समझाया गया। अपनी कंपनी शुरू करके उसके लिए बेहतर आय के माध्यमों के बारे में विस्तार से बताया गया।

शहर के सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में अतिथि व्याख्यान हुआ। इसमें सूचनाजी डॉट कॉम (suchnaji.com) न्यूज वेबसाइट के प्रोपराइटर और वरिष्ठ पत्रकार अज़मत अली ने अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने ÷न्यूज वेबसाइट से आमदनी कैसे बढ़ाएं÷ जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विस्तार से समझाया। दो घंटे से ज्यादा चले व्याख्यान में उन्होंने भावी पत्रकारों को वेबसाइट डिजाइन से लेकर उससे आमदनी के लीगल माध्यमों और कई स्त्रोतों के बारे में विस्तार से समझाया। वक्ता अज़मत अली ने न्यूज सोर्स, न्यूज सेंस और न्यूज एंगल के बारे में भी पत्रकारिता के विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने अनेक उदाहरणों से न्यूज डेवलप करने से लेकर न्यूज क्रिएट की तकनीकी पहलुओं के बारे में जनसंचार के छात्र और छात्राओं को सिखाया।

व्याख्यान से पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा ने अतिथि अज़मत अली का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने ऐसे व्याख्यानों को विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद बताया। विभागाध्यक्ष डॉ.सुधीर शर्मा ने बच्चों के पुनः मार्गदर्शन के लिए अतिथि अजमत अली से आग्रह किया। इस दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक प्राध्यापक अंशुल तिवारी, बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर साक्षी पाण्डेय सहित शोधार्थी और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

फर्स्ट से लेकर फाइनल ईयर के स्टूडेंट ने सीखा- इस अतिथि व्याख्यान में जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डिपार्टमेंट के फर्स्ट, थर्ड और फिफ्थ सेमेस्टर के स्टूडेंट्स शामिल हुए। व्याख्यान से विद्यार्थी बेहद संतुष्ट हुए। अंतिम सत्र में विद्यार्थियों से प्रतिक्रिया ली गई, जिसमें विद्यार्थी अपने प्रश्नों, अपनी जिज्ञासाओं और कौतूहल से भरे संदेहों का जवाब पाकर काफी तृप्त दिखे।

विद्यार्थियों ने की और क्लास की डिमांड- थर्ड सेमेस्टर की छात्रा और टॉपर स्टूडेंट आकांक्षा तिवारी ने कहा कि ऐसी क्लासेज रेगुलर होने से हमारे भीतर बुकिश लेकर फील्ड और ग्राउंड रिपोर्ट के प्रति सेंस डेवलप होगा। फर्स्ट सेमेस्टर की छात्रा अदिति जैसवार ने कहा कि वेबसाइट से अर्निंग के सोर्सेस की इंपॉर्टेंट जानकारियां मिली। फाइनल ईयर की छात्रा मीना साहू ने कहा कि बहुत बढ़िया क्लास थी। हमें बहुत कुछ सीखने और जानने के लिए मिला। फाइनल ईयर के छात्र शिवराज ताम्रकार ने बताया कि पत्रकारिता तो करते है लेकिन इनकम के सोर्सेज के बारे में जानकारियां नहीं थी। ये क्लास बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

लालमैदान में मातारानी के भव्य पंडाल निर्माण से पूर्व विधि-विधान से संपन्न हुआ भूमिपूजन, शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का हुआ भव्य आगाज़

54 वर्षों की गौरवशाली परंपरा के साथ 55वें वर्ष में प्रवेश कर रहा लालमैदान दुर्गोत्सव; भूमिपूजन में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

भिलाई। लालमैदान के पवित्र प्रांगण में आगामी शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 को लेकर तैयारियों का विधिवत शुभारंभ हो गया है। मातारानी के भव्य एवं अनोखे पंडाल निर्माण से पूर्व आज सुभाष नवयुवक जागृति समिति, लालमैदान, पावरहाउस, भिलाई, जिसे शहर में लालमैदान दुर्गोत्सव समिति के नाम से भी जाना जाता है, द्वारा विधि-विधान से भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इसी के साथ लालमैदान में आगामी शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 के भव्य आयोजन का औपचारिक आगाज़ हो गया।

आपको ज्ञात हो कि सुभाष नवयुवक जागृति समिति पिछले 54 वर्षों से लालमैदान के पवित्र प्रांगण में शारदीय नवरात्र उत्सव के दौरान मातारानी के भव्य एवं अनोखे पंडाल का निर्माण कर भव्य नवरात्र उत्सव का आयोजन करती आ रही है। इस वर्ष समिति अपने आयोजन के 55वें वर्ष में प्रवेश कर रही है।

लालमैदान दुर्गोत्सव समिति भिलाई-दुर्ग अंचल की पुरानी एवं प्रतिष्ठित दुर्गोत्सव समितियों में से एक है। लालमैदान का दुर्गा पंडाल और यहां आयोजित होने वाला नवरात्र उत्सव न केवल भिलाई शहर एवं छत्तीसगढ़ में, बल्कि पूरे भारतवर्ष में अपनी अलग एवं विशिष्ट पहचान बना चुका है। शारदीय नवरात्र उत्सव के दौरान लालमैदान लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। नवरात्र की प्रत्येक पावन रात्रि मातारानी के दर्शन-पूजन के साथ-साथ उनके भव्य एवं अनोखे पंडाल को देखने के लिए हजारों श्रद्धालुगण दूर-दूर से सपरिवार लालमैदान पहुंचते हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हुआ भूमिपूजन- कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मातारानी के भव्य पंडाल निर्माण से पूर्व लालमैदान के पवित्र प्रांगण में भूमिपूजन का पावन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के सम्माननीय सदस्यों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं की सहभागिता के बीच पूरे विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार भूमिपूजन संपन्न हुआ। इसी के साथ आगामी शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 की तैयारियों ने धरातल पर विधिवत गति पकड़ ली।

भूमिपूजन के पश्चात समिति की ओर से ÷जय माता दी÷ लिखे हुए संदेश के साथ रंग-बिरंगे एवं दिल के आकार के गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। इस दौरान ÷जय माता दी÷, ÷जय भवानी÷ एवं ÷लालमैदान महारानी की जय÷ के जयघोष से लालमैदान सहित आसपास का पूरा क्षेत्र गूंज उठा और पूरा वातावरण मातारानी की भक्ति में सराबोर हो गया।

भूमिपूजन के इस शुभ अवसर के साथ ही लालमैदान दुर्गोत्सव समिति ने यह संदेश दिया कि आगामी नवरात्र तक और फिर पूरे नवरात्र पर्व के दौरान भिलाई की भूमि से पूरे आकाश में मातारानी के जयकारों की गूंज सुनाई देगी।

इस वर्ष 'रंगीलो राजस्थान' थीम पर सजेगा मातारानी का भव्य पंडाल- इस वर्ष लालमैदान में मातारानी के भव्य पंडाल की थीम ÷रंगीलो राजस्थान÷ रखी गई है। राजस्थान की समृद्ध कला, संस्कृति, परंपराओं और विविध रंगों को पंडाल की भव्य प्रस्तुति के माध्यम से दर्शाया जाएगा।

विविधता में एकता÷ और ÷विभिन्न रंगों में एकता÷ के संदेश को केंद्र में रखते हुए इस वर्ष की थीम भारत की उस खूबसूरती को प्रदर्शित करेगी, जहां अलग-अलग संस्कृतियां, परंपराएं, कलाएं और रंग मिलकर भारत की एकता एवं अखंडता को और मजबूत बनाते हैं।

व्यापारी, पत्रकार, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स एवं श्रद्धालुओं की रही गरिमामयी उपस्थिति- भूमिपूजन के पावन कार्यक्रम में भिलाई पावरहाउस के सम्माननीय व्यापारीगण, क्षेत्रवासी, पत्रकार बंधु, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। सभी ने मातारानी के इस पावन आयोजन में सहभागी बनकर कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाया तथा मातारानी का महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

भूमिपूजन के साथ ही अब मातारानी के भव्य पंडाल निर्माण की तैयारियां तेज हो गई हैं। पंडाल निर्माण के लिए आवश्यक बांस-बल्लियां एवं अन्य निर्माण सामग्री लालमैदान पहुंचने का सिलसिला शुरू होगा। वहीं आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल से विशेष रूप से आने वाले सुप्रसिद्ध कारीगरों द्वारा मातारानी के भव्य एवं अनोखे पंडाल के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

पंडित बृजवासी जी महाराज एवं पंडित बद्रीनाथ जी ने विधि-विधान से कराया भूमिपूजन- मातारानी के भव्य पंडाल निर्माण से पूर्व भूमिपूजन का पावन कार्यक्रम पंडित बृजवासी जी महाराज एवं पंडित बद्रीनाथ जी द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक रीति-रिवाज के साथ संपन्न कराया गया।

भूमिपूजन कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के पूजा प्रभारीगण एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों एवं समस्त सम्माननीय सदस्यगण सहित पावरहाउस के व्यापारीगण, पत्रकार बंधु, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स, सम्माननीय नगरवासी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

सभी उपस्थितजनों ने मातारानी के पावन भूमिपूजन कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आयोजन को सफल बनाया तथा मातारानी का महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

लालमैदान दुर्गोत्सव समिति, भिलाई की ओर से आगामी शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 को लेकर तैयारियां अब पूरी गति से आगे बढ़ेंगी। समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए ÷रंगीलो राजस्थान÷ थीम पर आधारित भव्य, आकर्षक एवं अनोखे पंडाल के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को यादगार बनाने की तैयारियां की जा रही हैं।

ओबीसी के लिए अलग स्पष्ट कॉलम नहीं, केंद्र की नीयत पर गंभीर सवाल : विनोद चंद्राकर

जातिगत जनगणना में ओबीसी की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित करे केंद्र सरकार, पिछड़े समाज के साथ न्याय जरूरी

महासमुंद। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जनगणना-2027 में जाति की गणना शामिल करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन जाति संबंधी जानकारी दर्ज करने की व्यवस्था में ओबीसी के लिए अलग और स्पष्ट वर्गीकरण नहीं होने पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मुद्दे पर पूर्व संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने केंद्र सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केवल जाति पूछ लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ओबीसी समाज की स्पष्ट और विश्वसनीय गणना भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। चंद्राकर ने कहा कि केंद्र सरकार ने आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़े जुटाने का निर्णय लिया है, जो लंबे समय से उठ रही सामाजिक न्याय की मांग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन यदि जाति की जानकारी खुले रूप में दर्ज की जाएगी और ओबीसी के लिए स्पष्ट पृथक वर्गीकरण नहीं होगा, तो ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या के आंकड़ों को व्यवस्थित और विश्वसनीय रूप से सामने लाने में गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग जातियों, उपजातियों और स्थानीय नामों के कारण जातिगत आंकड़ों का वैज्ञानिक वर्गीकरण बेहद महत्वपूर्ण है। जब सरकार खुद जातिगत आंकड़े जुटाने जा रही है, तो ओबीसी की स्पष्ट पहचान और वर्गीकरण की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है केंद्र सरकार को इस सवाल का जवाब देश के पिछड़े वर्गों को देना चाहिए। चंद्राकर ने कहा कि ओबीसी समाज को केवल चुनाव के समय याद करना और उसके अधिकारों के सवाल पर मौन रहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सामाजिक न्याय की नीतियों, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं में प्रभावी भागीदारी के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में विभिन्न सामाजिक वर्गों की वास्तविक जनसंख्या कितनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से सामाजिक न्याय और जातिगत जनगणना की मांग उठाती रही है। राहुल गांधी जी ने भी जातिगत जनगणना और जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का सवाल राष्ट्रीय बहस के केंद्र में रखा है। ऐसे में केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि जातिगत गणना को पूरी पारदर्शिता और वैज्ञानिक तरीके से कराया जाए। पूर्व विधायक ने कहा कि ओबीसी समाज देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com